• वर्ष-4
• अंक-57
रायपुर, मंगलवार
15 अक्टूबर 2024
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6»»» पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का...

## भारत कनाडा से वापस बुलाएगा उच्चायुक्त

### छह कनाडाई राजनयिक किए निष्कासित, 19 अक्तूबर तक छोड़ना होगा देश

**नई दिल्ली।** कनाडा के भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या की जांच से जोड़े जाने पर भारत ने सख्त रुख अपनाया है। भारत कनाडा में मौजूद अपने उच्चायुक्त, लक्षित अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुला रहा है। यह फैसला कनाडा के बेतुके और हास्यास्पद नए आरोपों के बाद किया गया है। इस बीच, भारत सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है।

इससे पहले भारत ने कनाडा के उप उच्चायुक्त स्टीवर्ट व्हीलर को तलब कर कड़ी नाराजगी दर्ज कराई और दोटूक कहा कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को बेबुनियाद निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हमें कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर मौजूदा ट्रूडो सरकार की प्रतिबद्धता पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। साथ ही चेताया था कि भारतीय राजनयिकों के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाने की कनाडा सरकार की नई कोशिशों के जवाब में अब भारत के पास आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने राजनीतिक फायदे के लिए जानबूझकर भारत को बदनाम कर रहे हैं। भारत और कनाडा के बीच निज्जर की हत्या से उत्पन्न तनाव की स्थिति और बदतर हो गई है।

**कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय**

इस बीच, भारत सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इन राजनयिकों में कार्यवाहक उच्चायुक्त स्टीवर्ट रॉस व्हीलर, उप उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट, प्रथम सचिव मैरी कैथरीन जोली, प्रथम सचिव लैन रॉस डेविड ट्राइट्स, प्रथम सचिव एडम जेम्स चुइपका, प्रथम सचिव पॉला ओरजुएला शामिल हैं। इन्हें शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024 को रात 11:59 बजे तक या उससे पहले भारत छोड़ना होगा।

**विदेश मंत्रालय ने कहा - कनाडा ने अभी तक एक भी सबूत नहीं दिया**

मंत्रालय ने कहा कि कनाडा के पीएम ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, लेकिन हमारे कई अनुरोधों के बावजूद कनाडा सरकार ने भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया। कनाडा का यह नया कदम उन बातचीत के बाद उठाया गया है जिनमें एक बार फिर बिना किसी तथ्य के दावे किए गए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह उसकी जांच के बहाने राजनीतिक लाभ के लिए भारत पर कीचड़ उछालने की एक सोची समझी रणनीति है। भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाला यह नवीनतम घटनाक्रम अब उसी दिशा में अगला कदम है।

**हमने सबूत दिए हैं अब भारत उन पर गौर करेः कनाडा उच्चायुक्त**

विदेश मंत्रालय से निकलने के बाद कनाडा के उच्चायुक्त स्टीवर्ट व्हीलर ने कहा कि कनाडा ने भारत सरकार के एजेंटों और कनाडा में एक कनाडाई नागरिक की हत्या के बीच संबंधों को लेकर विश्वसनीय सबूत उपलब्ध कराए हैं। अब भारत के लिए समय आ गया है कि वह जो कहता है उस पर खरा उतरे और सभी आरोपों पर गौर करे। इसकी तह तक जाना दोनों देशों और उनके लोगों के हित में है। कनाडा भारत के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।

**राजनयिक के जरिये मिली जानकारी**

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि भारत को रविवार को कनाडा ने राजनयिक माध्यम से जानकारी दी कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उनके देश में एक जांच से संबंधित मामले में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' हैं। पर्सन ऑफ इंटरेस्ट का मतलब यह है कि किसी एक व्यक्ति के बारे में पुलिस को लगता है कि वह किसी अपराध में शामिल हो सकता है लेकिन उस औपचारिक आरोप नहीं लगाए सकते और न गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। हालांकि उसकी गतिविधियों, संपर्कों और अन्य जानकारी को जांच के दायरे में रखा जाता है। मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को पूरी दृढ़ता से खारिज करती है और इन्हें जस्टिन ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा मानती है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है।

**पीएम ट्रूडो की लंबे समय से है भारत के प्रति शत्रुता**

विदेश मंत्रालय ने कहा था कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की भारत के प्रति शत्रुता लंबे समय से साफ दिख रही है। 2018 में भारत की यात्रा में उन्हें असहजता का सामना करना पड़ा। उनकी इस यात्रा का मकसद वोट बैंक को लुभाना था। उनके मंत्रिमंडल में ऐसे लोग शामिल हैं जो भारत के संबंध में चरमपंथी और अलगाववादी एजेंडे से खुले तौर पर जुड़े हुए हैं। दिसंबर 2020 में भारतीय आंतरिक राजनीति में उनके खुले हस्तक्षेप से पता चला कि वह इस संबंध में किस हद तक जाने को तैयार थे। मंत्रालय ने कहा कि उनकी सरकार एक ऐसे राजनीतिक दल पर निर्भर है जिसके नेता भारत के प्रति खुलेआम अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करते हैं।

**उच्चायुक्त पर लगाए गए आरोप हास्यास्पद**

विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा 36 वर्षों के प्रतिष्ठित करियर के साथ भारत के सबसे वरिष्ठ सेवारत राजनयिक हैं। वह जापान और सूडान में राजदूत रहे चुके हैं, जबकि इटली, तुर्किये, वियतनाम और चीन में भी कार्यरत रहे हैं। कनाडा सरकार की ओर से उन पर लगाए गए आक्षेप हास्यास्पद हैं और जिसे अवमानना माना जाना चाहिए।

**बैठक का विपक्षी सांसदों ने किया बहिष्कार**

## वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध जारी

**नई दिल्ली।** सभी विपक्षी सांसदों ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति की बैठक का बहिष्कार किया। उन्होंने दावा किया कि पैनल नियमों और विनियमों के अनुसार काम नहीं कर रहा है। कांग्रेस के गौरव गोगोई और इमरान मसूद, द्रमुक के ए राजा, शिव सेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, समाजवादी पार्टी के मोहिबुल्लाह और आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह बैठक से बाहर चले गए और इसकी कार्यवाही के खिलाफ कड़ी भावनाएं व्यक्त कीं।

सदस्यों ने आरोप लगाया कि कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग और कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पादी, जिनकी प्रस्तुति अभी भी चल रही है, वक्फ विधेयक के बारे में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर कर्नाटक सरकार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर अनावश्यक आरोप लगा रहे हैं, जो समिति के अनुरूप नहीं है और स्वीकार्य नहीं है। अरविंद सावंत ने कहा कि विधेयक की जांच कर रही संसद की संयुक्त समिति नियम-कायदों के अनुरूप काम नहीं कर रही है। सावंत ने कहा, हम बैठक का बहिष्कार कर रहे हैं क्योंकि वे नैतिक रूप से काम नहीं कर रहे हैं। मूलत:, वे गलत हैं। उन्होंने और कुछ अन्य सांसदों ने आरोप लगाया कि समिति के समक्ष गवाही देने वाले एक व्यक्ति को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ विपक्षी सदस्यों के खिलाफ व्यक्तिगत आरोप लगाने की अनुमति दी गई थी। बाद में विपक्षी सदस्यों ने अपने अगले कदम पर चर्चा के लिए एक अलग बैठक बुलाई। उन्होंने वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के बारे में अपनी सभी चिंताओं पर चर्चा करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष से संपर्क करने का फैसला किया है। विपक्ष के बहिष्कार के बावजूद, वरिष्ठ भाजपा सांसद जगदंबिका पाल के नेतृत्व में संसदीय समिति अपनी निर्धारित गतिविधियों के साथ आगे बढ़ी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के नेतृत्व में 14 अक्टूबर को वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर अपने विचार और सुझाव पेश करने के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के साथ बैठक की।

## 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे उमर अब्दुल्ला

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंह ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। एलजी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि उन्हें 11 अक्टूबर को जेकेएनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला का पत्र मिला था, जिसमें बताया गया था कि उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। एलजी के पत्र में कहा गया है, मुझे आपको जम्मू-कश्मीर सरकार बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रधान सचिव का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। उन्होंने एलजी के कार्यालय से मुझे जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने वाला एक पत्र सौंपा। इससे पहले जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया था जिससे केंद्र शासित प्रदेश में नयी सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया था। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है। राज्य से राष्ट्रपति शासन हटाये जाने का विभिन्न दलों ने स्वागत किया है। हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है, ''भारत के संविधान के अनुच्छेद 239 और 239ए के साथ पठित जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 73 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में 31 अक्टूबर 2019 का आदेश, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 54 के तहत मुख्यमंत्री की नियुक्ति से तुरंत पहले निरस्त किया जाता है।''

हम आपको याद दिला दें कि हाल में संपन्न हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने जीत हासिल की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे। उन्हें गठबंधन का नेता चुना गया है। हम आपको याद दिला दें कि पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों-- जम्मू कश्मीर और लद्दाख के रूप में विभाजित किए जाने के बाद 31 अक्टूबर 2019 को जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था।

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लैलूंगा में उरांव समाज द्वारा आयोजित करमा महोत्सव में कहा कि यह उत्सव ग्रामीण और वनांचल क्षेत्र में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। क्षेत्र में कई प्रकार के करमा का आयोजन होता है। हमें हमारे पुरखों द्वारा दिखाए गए राह पर चलना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

**प्रमुख समाचार**

### वन नेशन वन इलेक्शन के बाद मोदी सरकार के एक और फैसले को चुनौती

**नई दिल्ली।** केरल विधानसभा ने केंद्र सरकार से विवादास्पद 2024 वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। वक्फ, हज यात्रा और खेल मंत्री वी अब्दुरहिमान ने प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में कहा गया कि यह विधेयक संविधान में निहित संघीय सिद्धांतों को कमजोर करता है। अब्दुरहीमन ने तर्क दिया कि यह विधेयक वक्फ मामलों के संबंध में राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करता है, प्रभावी रूप से वक्फ बोर्डों और न्यायाधिकरणों के अधिकार को कमजोर करता है, जिन्हें वक्फ संपत्तियों की देखरेख का काम सौंपा जाता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक न केवल संविधान में उल्लिखित धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर नामांकित सदस्यों के बोर्ड और एक नामांकित अध्यक्ष को नियुक्त करके लोकतांत्रिक मूल्यों को भी खतरे में डालता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विश्वास की स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और लोकतांत्रिक सिद्धांतों सहित मौलिक अधिकारों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधेयक में ऐसे प्रावधान शामिल हैं.

### कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है, लोग उसके धोखे से हैं परिचित

**गुवाहाटी ।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है और जनता इस धोखे से वाकिफ है, इसलिए वह देशभर में उसे बाहर का रास्ता दिखा रही है। सैनी 17 अक्टूबर को दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले हैं। उन्होंने यहां कामाख्या मंदिर में दर्शन किया जिसके बाद भाजपा की असम इकाई के मुख्यालय में उनका अभिनंदन किया गया। सैनी ने कहा, '' कांग्रेस हमेशा झूठ को ढाल बनाती है। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में झूठ के बल पर ही वह सत्ता में आई।'' उन्होंने कहा कि ''कांग्रेस की झूठ की राजनीति लंबे समय तक नहीं टिक सकती है। उसका छल-कपट अब जनता को स्वीकार्य नहीं है, इसलिए उसने उसे राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और अब हरियाणा में बाहर का रास्ता दिखा दिया है।'' उन्होंने कहा कि लोगों ने इस पुरानी पार्टी का झूठ का नकाब उतार दिया है तथा केंद्र एवं राज्यों में उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया है। सैनी ने कहा कि लोग 'सिर्फ मोदी की गारंटी में यकीन करते हैं।' किसानों के लिए भाजपा द्वारा किये गये प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यहां तक कि कांग्रेस की सात पीढ़ियां भी पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा कृषकों के लिए किये गये कामों की कल्पना नहीं कर सकती हैं।

### एलएसी के पास चीन की बड़ी साजिश का खुलासा

**नई दिल्ली।** एलएसी के पास चीन की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। एलएसी पर चीनी सेना ने तैयारी बढ़ दी है। इंडिया टुडे द्वारा समीक्षा की गई हालिया सैटेलाइट इमेजरी से पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी तट के पास एक बड़ी चीनी बस्ती के चल रहे निर्माण का पता चलता है। साल 2020 में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हुए झड़प के स्थान से 38 किलोमीटर की दूरी पर चीन की ओर से इस निर्माण कार्य का खुलासा हुआ है। हालांकि यह भारत के क्षेत्रीय दावों के बाहर स्थित है। अमेरिका स्थित मैक्सार टेक्नोलॉजीज द्वारा 9 अक्टूबर को ली गई सैटेलाइट इमेज में लगभग 17 हेक्टेयर क्षेत्र में तेजी से किए जा रहे निर्माण कार्य को दर्शाया है। 4,347 मीटर की ऊंचाई पर येमागौ रोड के पास स्थित, यह स्थल निर्माण और मिट्टी हटाने वाली मशीनरी से भरा हुआ है। तक्षशिला संस्थान में भू-स्थानिक अनुसंधान कार्यक्रम के प्रोफेसर और प्रमुख वाई नित्यानंदम के अनुसार, आवासीय संरचनाओं और बड़े प्रशासनिक भवनों सहित 100 से अधिक इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। ओपन-सोर्स सैटेलाइट इमेजरी के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि निर्माण अप्रैल 2024 की शुरुआत में झील की ओर ढलान वाली नदी के तल पर शुरू हुआ था।

### झारखंड चुनाव के लिए बीजेपी ने सेट किया समीकरण!

**नई दिल्ली।** झारखंड में अगले कुछ महीनों में विधानसभा के चुनाव होने है। जिसको लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे की व्यवस्था लगभग अंतिम चरण पर है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) घोषित किए जाने के बाद, हम 24 से 48 घंटे के भीतर पहली सूची जारी करेंगे। हम चुनाव आयोग की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि बीजेपी विधानसभा चुनाव प्रभारी सीएम सरमा पार्टी की चुनाव समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान ये बातें कही। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड चुनाव में सीटों के समीकरण को लेकर कहा कि सीट बंटवारे की व्यवस्था के अनुसार सुदेश महतो के नेतृत्व वाली आजसू पार्टी 9-11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आजसू पार्टी के साथ सीट बंटवारे की बातचीत लगभग अंतिम है। उन्होंने कहा कि एक सीट को लेकर कुछ समस्या है। हम इसे मंगलवार तक सुलझा लेंगे। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) दो निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी.

### दवा निर्माण में भारत आगे, स्वास्थ्य सचिव का दावा

**नई दिल्ली।** दवा निर्माण क्षेत्र में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने दावा किया है कि पिछले एक साल में दुनिया भर में निर्मित और वितरित की गई आठ अरब वैक्सीन खुराकों में से आधी भारत में निर्मित की गई हैं। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम की ओर से आयोजित वार्षिक इंडिया लीडरशिप समिट 2024 में पुण्य ने सोमवार को कहा कि फार्मास्यूटिकल्स में भारत एक वैश्विक लीडर के रूप में उभरा है। भारत जेनेरिक दवाओं का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। भारतीय कंपनियों की दवाओं ने 2022 में अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को 219 अरब डॉलर की बचत प्रदान की। इसके चलते 2013 और 2022 के बीच कुल 1.3 ट्रिलियन डालर की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि भारत ने अमेरिकी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में उल्लेखनीय योगदान भी दिया है। भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग के योगदान का प्रमाण इस तथ्य से मिलता है कि अमेरिका के बाहर यूएस एफडीए की ओर से अनुमोदित फार्मास्युटिकल संयंत्रों की संख्या सबसे अधिक भारत में है।

## निज्जर की मौत के मामले पर एक साल बाद फिर आमने-सामने भारत-कनाडा

**शिवेंद्र तिवारी**

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा और भारत आमने-सामने हैं। कनाडा ने निज्जर हत्या की जांच में भारत के राजदूत और अन्य राजनयिकों का नाम बतौर %पर्सन ऑफ इंट्रेस्ट% लिया था। भारत ने इन बेतुके आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। इसके साथ ही सोमवार को भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाने का फैसला किया है। इसके अलावा भारत ने छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करने का भी निर्णय लिया है।

करीब एक साल पहले भी निज्जर की मौत के मामले पर दोनों देश आमने सामने थे। उस वक्त राजनयिकों को निकालने से लेकर वीजा आवेदन बंद करने तक जैसे निर्णय लिए गए थे।

**पहले जानते हैं कि अभी क्या हुआ है?**

जब एक साल बाद फिर भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया है तो इसके पीछे निज्जर हत्याकांड ही है। दरअसल, सोमवार (14 अक्तूबर) को कनाडा ने निज्जर की हत्या की जांच में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा का नाम बतौर %पर्सन ऑफ इंटरेस्ट% शामिल किया है। इस बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय को रविवार (13 अक्तूबर) को एक राजनयिक संदेश मिला।

दरअसल, पर्सन ऑफ इंटरेस्ट का मतलब यह है कि किसी व्यक्ति के बारे में पुलिस को लगता है कि वह किसी अपराध में शामिल हो सकता है लेकिन उस पर औपचारिक आरोप नहीं लगाए सकते और न ही गिरफ्तार किया जा सकता। हालांकि, उसकी गतिविधियों, संपर्कों और अन्य जानकारी को जांच के दायरे में रखा जाता है।

**कनाडा के आरोपों पर भारत ने क्या प्रतिक्रिया दी?**

भारत ने कनाडा के आरोपों को बेतुका बताते हुए इसे सिरे से नकार दिया। सोमवार को विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को सिरे से खारिज करता है और इनके पीछे ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे को वजह मानता है, जो कि वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, %ट्रूडो सरकार ने जानने के बावजूद कनाडा में भारतीय राजनयिकों और समुदाय के नेताओं को धमकाने और डराने वाले हिंसक कट्टरपंथियों और आतंकियों को जगह दी है। इनमें राजनयिकों और भारतीय नेताओं को मौत की धमकियां तक शामिल हैं।

विदेश मंत्रालय की तरफ से यह भी कहा गया कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का भारत विरोध काफी पहले साबित हो चुका है। ट्रूडो की सरकार एक ऐसे राजनीतिक दल पर निर्भर है, जिसके नेता खुले तौर पर भारत विरोधी अलगाववाद की विचारधारा का समर्थन करते हैं, जिससे मामले सिर्फ बढ़े हैं।

कनाडाई राजनीति में विदेशी दखल पर आंखें मूंदने को लेकर आलोचनाओं के बावजूद ट्रूडो सरकार लगातार अपने नुकसानों को कम करने के लिए भारत का नाम ले आती है। यह ताजा घटनाक्रम, जिसमें भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाया जा रहा है इस दिशा में अगला कदम है। यह कोई संयोग नहीं है कि यह सब तब हो रहा है, जब पीएम ट्रूडो को विदेशी दखल को लेकर एक आयोग के सामने पेश होना है।

**भारत ने और क्या कदम उठाए हैं?**

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने कनाडा के उच्चायुक्त को तलब किया। बताया जा रहा है कि कनाडा के उच्चायुक्त से कनाडाई सरकार के रुख को लेकर जानकारी तलब की गई। सोमवार शाम को कनाडा के उच्चायुक्त स्टीवर्ट व्हीलर विदेश मंत्रालय से रवाना हुए।

भारत सरकार ने उच्चायुक्त, अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को कनाडा से वापस बुलाने का भी फैसला किया है। सोमवार को ही विदेश मंत्रालय ने इस बारे में बयान जारी किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उग्रवाद और हिंसा के माहौल में ट्रूडो सरकार के कार्यों ने भारतीय अधिकारियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। हमें वर्तमान कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए भारत सरकार ने उच्चायुक्त, अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है।

**कैसे शुरू हुआ था भारत-कनाडा के बीच विवाद?**

इस पूरे विवाद की जड़ में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामला है। निज्जर की 18 जून 2023 को कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसे कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया के सरी स्थित गुरुनानक सिख गुरुद्वारा के पास दो अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी। निज्जर खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख था और भारत में एक घोषित आतंकवादी था। कनाडाई पुलिस का दावा है कि उसने निज्जर मामले की जांच के दौरान चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। 18 सितंबर 2023 को निज्जर की हत्या को लेकर कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में भारत पर आरोप लगा दिए। ट्रूडो ने कहा कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने के कारण है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की। कनाडाई एजेंसियां निज्जर की हत्या में भारत की साजिश की संभावनाओं की जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता अस्वीकार्य है।

# प्रभावितों ने मुआवजे की कटौती के खिलाफ किया विरोध

## दहन किया दानव रूपी रावण प्रबंधन का पुतला

**कोरबा।** कोरबा में साउथ ईस्ट कोलफील्ड लिमिटेड एसईसीएल अनुषंग कंपनी कोरबा जिला के मेगा प्रोजेक्ट एसईसीएल गेवरा दीपका कुसमुंडा और कोरबा के प्रभावितों के पैतृक संपत्ति के साथ एसईसीएल प्रबंधन षड्यंत्र रच के नया पुराना कर ग्रामीणों के साथ खेल खेल रही है और उद्योग नीति में बने कानून कोल बैरिंग एक्ट, कोल इंडिया पॉलिसी, लार पॉलिसी के नियमों का हवाला देकर ग्रामीणों के साथ जबरन का मुआवजे में कटौती कर परोसा जा रहा है जबकि 2013 छत्तीसगढ़ पुनर्वास नीति के नियमों का एसईसीएल प्रबंधन खुला उल्लंघन कर रही है।

इस नियम में ग्रामीणों के पैतृक संपत्ति के मुआवजे में सोलिशियम सहित चार गुना मुआवजा व हर प्रभावित व्यक्ति को पूरी व्यवस्थाओं के साथ बसाहट देना है प्रबंधन सिर्फ अपने उच्च अधिकारियों को खुश करने के लिए अपनी पीठ थपथपा कर वाही-वाही ले रही हैं और साथ ही खदान विस्तार को तेजी से आगे बढ़ते हुए ग्रामों के ही नजदीक लाकर ग्रामीणों के बुनियादी सुविधाएं पानी कुआं बोर सब सुख सा गया है तथा स्कूल व आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चे, ग्राम में रहने वाले ग्रामीण हैवी ब्लास्टिंग के कारण जान जोखिम में प्रबंधन आफत खड़ा कर दिया है छोटे-छोटे बच्चे शाम व सुबह सुरक्षा के नाम पर बिल्कुल खानापूर्ति कर रही है ग्रामो से लगे महज 10 मीटर में कोई सुरक्षा नहीं होने के कारण अप्रिय घटना घटित हो सकती है एसईसीएल प्रबंधन के कारनामों को लेकर ऊर्जाधानी संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी ललित महिलांगे ने प्रभावित ग्रामीणों के साथ मिलकर दानव रूपी रावण

एसईसीएल प्रबंधनों का पुतला दहन किया गया ।

एसईसीएल को सुपुर्द करने के बावजूद भी प्रबंधन द्वारा उद्योग नीति में बने नियमों का हवाला देकर मुआवजे में कटौती कर बसाहट देने से इनकार कर रही है जबकि ये नियम 2013 छत्तीसगढ़ पुनर्वास नीति का नया कानून आने के बाद कोल बैरिंग एक्ट, कोल इंडिया पॉलिसी, लार पॉलिसी खत्म हो जाती है अभी भी प्रबंधन अपने कोयला खदान विस्तार खनन कार्य के लिए इन नियमों का हवाला देकर अधिग्रहित क्षेत्र ग्रामों में लाभ उठा रही है और अपने उच्च अधिकारियों को खुश करके अपनी पीठ थपथपा रही है किसान की जमीन का वाजिब दर बाजार भाव से चार गुना सोलिशियम सहित मुआवजा व बसाहट देने का नया कानून 2013 छत्तीसगढ़ पुनर्वास नीति में है।

प्रबंधन इस कानून का एक पैसा का पालन नहीं कर रही है जिससे मूल-निवासी पैतृक व पुरखा की संपत्ति बाजार भाव चार गुना मुआवजे व बसाहट का ग्रामीणों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और एसईसीएल प्रबंधन अपने वही पुराने नियम कानून को ग्रामीणों के ऊपर जबरन के भरोसा जा रहा है इन सब के बीच एसईसीएल के ये चक्रव्यूह में गरीब किसान ग्रामीण पीस रहे हैं इसका ही प्रभावित ग्रामीण दानव रूपी रावण प्रबंधनों का पुतला जलाकर विरोध दर्ज कर रहे हैं। भू स्थापित ललित महिलांगे कहां है कि प्रबंधन का रवैया ग्रामीणों के बीच ठीक नहीं है ग्रामीणों का विश्वास हासिल कर खदान का विस्तार किया जाना चाहिए प्रशासन का भी इस कार्य के लिए ग्रामीणों के सामने आकर इस विषम परिस्थिति का निराकरण किया जाना अति आवश्यक है यदि ऐसा निराकरण नहीं होगा तो भविष्य में प्रबंधन व कोयला खदान के लिए विरोध के स्वर उठना लाजिमी है प्रशासन को हस्तक्षेप कर प्रबंधन को नया कानून 2013 छत्तीसगढ़ पुनर्वास नीति के नियमों का पालन करवाना अति आवश्यक है जिससे ग्रामों के ग्रामीणों में विश्वास पैदा हो कि हमारे पैतृक संपत्ति का सही मूल्यांकन बोर्ड के दर के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है आज प्रभावित ग्रामों के ग्रामीणों के साथ मिलकर वो कहते हैं कि बुराई और अच्छाई का रावण प्रतीक है जिसको लेकर आज ग्रामीणों के साथ दानव रूपी रावण प्रबंधनों का पुतला दहन किया गया है ऐसे मुआवजे में कटौती व बसाहट के मामले निराकरण होना चाहिए और नहीं होगा भविष्य में तो आंदोलन को तेज करने का सारे ग्रामीणों ने शपथ लिया।

# बालोद जिले में हाथियों ने फिर दी दस्तक

## फसलों को नुकसान, छह लोग गंवा चुके हैं जान

**बालोद।** छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक बार फिर से हाथियों की दस्तक देखने को मिल रही है। हाथियों ने जिले के गुरूर और दल्ली राजहरा वन परिक्षेत्र में तांडव मचा कर रखा हुआ है। खड़ी फसलों को बेतहाशा नुकसान पहुंचा रहे हैं। वन विभाग भी रात भर जाग-जाग कर हाथियों एवं लोगों की सुरक्षा में लगा हुआ है।

आपको बता दें कि हाथी के स्वतंत्र टहलने का रात का एक्सक्लूसिव वीडियो भी सामने आया है। वन विभाग द्वारा गांव में मुनादी कराई गई है कि कोई भी व्यक्ति अकेले घर से बाहर या फिर जंगलों की ओर न जाए। अब तक छह लोगों की हाथियों ने जान ले ली।

हाथी को गुस्सा आने पर वह आक्रामक हो सकता है।बालोद जिले में बीते तीन वर्षों में छह लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसलिए लोगों को समझाइस दी जा रही है। अभी का जो समय है वह धान कटाई का समय है। यहां पर फसले लगभग पककर तैयार हो गई हैं और खड़ी फसलों पर हाथियों का आतंक देखने को मिल रहा है। जिसके कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि हाथी द्वारा नुकसान पहुंचाए जाने के बाद वन विभाग द्वारा इसके लिए किसानों को मुआवजा भी दिया जाता है।

हाथी की उपस्थिति वर्तमान में बालोद वनमंडल बालोद अंतर्गत हिडकापार बताई जा रही है जो कि आड़ेझर बीट और नलकसा सर्किल का एरिया है। इस क्षेत्र में हाथी ने कोई फसल नुकसान नहीं की है। सबसे ज्यादा गुरुर वन परिक्षेत्र में हाथियों के द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया गया था। वर्तमान में वन विभाग द्वारा अंगारा नलकसा पुसावड़ शेरपार कोसमी पैंदुर नारंगसुर जैसे लगभग आधा दर्जन गांवों को अलर्ट पर रखा गया है। जहां हाथी विचरण कर रहा है। उसका नाम एमई- 3 बताया जा रहा है जो कि एक दंतैल हाथी है। उप वन मंडल अधिकारी डिंपी बैस ने बताया कि लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, गांव में जागरुकता फैलाई जा रही है। मुनादी भी कराई जा रही है ताकि किसी तरह की कोई हानि न हो।

# नियमविरुद्ध काम करने वाले जिस हॉस्पिटल पर हुई कार्रवाई, उसे ही दूसरे नाम से किया जा रहा संचालित

**आरंग।** रायपुर के आरंग ब्लॉक में स्वास्थ्य विभाग की नाकामी देखने को मिल रही है। बीते महीनों में जिस अस्पताल पर भारी गड़बड़ी के चलते कार्रवाई की गई, उसे अब दूसरे नाम से संचालित किया जा रहा है। पहले ये अस्पताल सांई हॉस्पिटल के नाम से संचालित किया जा रहा था। जहां नियमविरुद्ध महिलाओं के गर्भाशय निकालने, गलत जांच रिपोर्ट बनाकर मरीजों की सर्जरी करना, आयुष्मान कार्ड में भारी गड़बड़ी करने जैसे नियमविरुद्ध काम धड़ल्ले से किये जा रहे थे। स्वास्थ्य विभाग ने इस पर कार्रवाई की तो सांई हॉस्पिटल और राव पैथालॉजी के संचालक ने अस्पताल का नाम बदलकर राव मल्टी सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल रख दिया और फिर से उसी हॉस्पिटल को संचालित किया जाने लगा।

इस अस्पताल के संचालक राजू साहू ने स्वास्थ्य सेवा के नाम पर केवल गलत ढंग से पैसे कमाने का जरिया बना कर रखा है। आरंग के कालेज चौक पर स्थित यह हॉस्पिटल पहले सांई समर्थ हॉस्पिटल के नाम से संचालित हो रहा था। सबसे पहले यहां आयुष्मान कार्ड में लापरवाही बरतने पर जुर्माना लगाया गया। जुर्माना लगने पर इसका नाम सांई हॉस्पिटल में बदल गया, फिर सांई हॉस्पिटल पर आरंग तहसीलदार सीता शुक्ला और आरंग बीएमओ डॉ। विजय लक्ष्मी अनंत ने कार्रवाई की।

कार्रवाई के बाद अब यह हॉस्पिटल राव मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में बदल दिया गया है। बता दें, 24 सितंबर 2024 को शिकायत के आधार पर आरंग तहसीलदार सीता शुक्ला, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ। विजय लक्ष्मी अनंत ने संयुक्त रूप से सांई हॉस्पिटल का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान हॉस्पिटल में भारी गड़बड़िया मिली थी। हॉस्पिटल में ईलाज के नाम पर महिला मरीजों का गर्भाशय नियम विरुद्ध निकाला जाता था, हॉस्पिटल के पैरामेडिकल स्टाफ नर्सिंग होम एक्ट के अनुसार सक्षम नही थे। गलत डायग्नोसिस करके मरीजों को सर्जरी के लिए बोला जाता था। वहीं जहर खुरानी और दुर्घटनाओं जैसे कई मामलों पर संबंधित थाना को सूचित नहीं करते थे। जांच के बाद अधिकारियों ने हॉस्पिटल को एक सप्ताह के भीतर बंद करने के लिए कहा था। लेकिन इसके विपरित अब उसी हॉस्पिटल को ' राव मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल' के नाम से संचालित किया जा रहा है।

जांच कार्रवाई होने के बाद भी लगातार नाम बदलकर संचालित किये जा रहे अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर हॉस्पिटल को संरक्षण देने के आरोप लग रहे हैं। नियम विरुद्ध गर्भाशय निकालने जैसे गंभीर मामले में अभी तक संचालक और संबंधित डॉक्टर के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होना संचालक और स्वास्थ्य विभाग में साठगांठ की ओर इशारा कर रहा है। मरीजों की जान से खिलवाड़ करने और गरीब जनता की जेब में डाका डालने वाले अस्पताल और संचालक पर कार्रवाई न होने से लोगों का स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से विश्वास उठने लगा है। इसे लेकर क्षेत्र के लोगों में खासा नाराजगी नजर आ रही है। हालांकि जिले से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ। मिथलेश चौधरी अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटल और दोषी संचालक पर जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दे रहे हैं। गौर करने वाली बात यह भी है कि जब सीएमएचओ कार्यालय से 8 अगस्त 2024 को सांई हॉस्पिटल का निरीक्षण किया गया, उस दौरान भी कई खामियां पाई गई थी। जिसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी ने ही 20 अगस्त 2024 को हॉस्पिटल का संचालन बंद करने का आदेश दिया था।

# गर्भवती महिलाओं की सुरक्षित प्रसव के लिए बेहतर सुविधा : स्वास्थ्य मंत्री

- **जिला अस्पताल में 9 महीने में हुए 462 सिजेरियन सहित 1 हजार 800 से अधिक प्रसव**

**बलौदाबाजार।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सुविधाओं एवं संसाधनों में लगातार इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास सतत रूप से जारी है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार में कलेक्टर श्री दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिला अस्पताल बलौदाबाजार में इस वर्ष जनवरी 2024 से माह सितंबर तक 9 माह में कुल 1816 सफल प्रसव कराए गए हैं। उक्त प्रसव में से 1354 सामान्य प्रसव तथा 462 सिजेरियन शामिल है। सिजेरियन में आकस्मिक और पूर्व नियोजित दोनों ही सम्मिलित हैं।

जिला अस्पताल बलौदाबाजार के सिविल सर्जन डॉक्टर के. के. टेम्भूरने ने बताया कि अस्पताल में तीन स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ कुशल प्रशिक्षित नर्सिंग

स्टाफ अपनी सेवाएं देते हैं। यहाँ आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रसव कक्ष स्थापित है। प्रसव के बाद नवजात शिशु के देखभाल हेतु विशेष एस.एन.सी.यू. भी स्थापित है। उक्त कुल प्रसव में 161 बच्चों को उक्त एस.एन.सी.यू. में भर्ती कर उनकी विशेष देखभाल भी की गई।

ग्राम खैरा से माह सितंबर में अपनी 23 वर्षीय पत्नी को प्रसव पीड़ा पर जिला अस्पताल लेकर आएं नोहर पटेल ने बताया कि अस्पताल में आने पर उन्हे बताया गया कि फीटल डिस्ट्रेस की स्थिति है जिसमें भ्रूण तक ऑक्सीजन पहुँचने में दिक्कत होती है और बच्चे की धड़कन बढ़ती है। ऐसे में ऑपेरशन के माध्यम से प्रसव हुआ जिसमें मां और बच्चे दोनों ही स्वस्थ हैं। इसी प्रकार प्रोलांग लेबर (देर तक प्रसव पीड़ा) की स्थिति में आये हुए गिरौदपुरी के पास स्थित ग्राम खोसड़ा के रहने वाले महेंद्र पैकरा ने बताया कि 28 वर्षीय उनकी पत्नी को प्रसव पीड़ा काफी देर से हो रही थी जिस कारण जिला अस्पताल लेकर आया तथा यहाँ ऑपेरशन के माध्यम से प्रसव हुआ। अस्पताल में दवाई और अन्य सुविधाएं निःशुल्क प्राप्त हुई। इस प्रकार के ऑपेरशन का निजी अस्पताल में काफी पैसा खर्च होता, जो बच गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलौदाबाजार डॉ. राजेश कुमार अवस्थी के अनुसार जिला अस्पताल एन.क्यू.ए.एस. प्रमाण पत्र धारी संस्था है। यह प्रमाण पत्र उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के कारण राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन के बाद प्राप्त हुआ है। अस्पताल में प्रसव की इस सुविधा को लगातार बेहतर से और बेहतर करने का प्रयास जारी है, जिससे आम जनता को इसका लाभ प्राप्त हो सके।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### सेंट्रल जेल में गैंगवार, दशहरा की शाम बंदियों के बीच झड़प

**बिलासपुर।** सेंट्रल जेल में एक बार फिर से गैंगवार की घटना हुई है। दशहरा की शाम जेल में बंद दो बंदियों के बीच भिड़ंत हुई। इस दौरान हत्या के आरोपी ने कप सिरप बेचने के आरोप में बंद कैदी नुकीली वस्तु से हमला किया। जिससे जेल में अफरा-तफरी मच गई। वहीं जेल के प्रहरी तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों बंदियों को अलग किया। दरअसल, सिरगिट्टी पुलिस ने नशीली कफ सिरप बेचने के मामले में नवीन निर्मलकर को तीन दिन पहले जेल भेजा है। दशहरा की शाम जेल में दुर्गा विसर्जन के दौरान वह आशीर्वाद लेने गया था। जहां हत्या के आरोपी लोकेश तिवारी ने अचानक किसी नुकीली वस्तु से उस पर हमला कर दिया। इससे नवीन घायल हो गया। जानकारी मिलते ही जेल प्रहरी पहुंचे और दोनों बंदियों को अलग कराया। घटना जेल के डी खंड में हुई। बताया जा रहा है कि लोकेश तिवारी और नवीन निर्मलकर की जेल के बाहर से दुश्मनी है। लोकेश ने सिरगिट्टी क्षेत्र में नवीन के माता-पिता पर हमला कराया था। जब वह हत्या के मामले में जेल पहुंचा था, तब नवीन ने लोकेश पर हमला कर दिया था।

### गिफ्ट दुकान में लगी आग लाखों का माल हुआ स्वाहा

**जगदलपुर।** कोंडागाँव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र के विश्रामपुरी चौक में स्थित एक गिफ्ट दुकान में बीती रात आग लगने के चलते लाखों का माल जल गया, घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम के साथ ही फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुँच आग को बुझाने में जुट गई, जहाँ घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दुकान पूरी तरह से जल चुका था। मामले की जानकारी देते हुए केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल ने बताया कि विश्रामपुरी चौक में बने काम्प्लेक्स में नाग गिफ्ट कार्नर दुकान संचालित किया जाता था, रोजाना की तरह दुकान संचालक अपनी दुकान को बंद करने के बाद अपने घर चला गया, जहाँ बीती रात करीब 1 बजे के लगभग लोगों ने उसके दुकान में आग लगने की बात बताई, जहाँ दुकान संचालक मौके पर पहुँचे, वही इस घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम के साथ ही फायर बिग्रेड की टीम भी आ पहुँची, जहाँ घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन तब तक दुकान पूरी तरह से जल चुका था।

### सूने मकान से 532 पेटी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

**बलौदाबाजार।** मुखबिर की सूचना पर हथबंद पुलिस ने ग्रारम केसदा के सूने मकान में छापामारा जहां से 532 पेटी शराब जप्त करने के साथ ही एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया। जप्त शराब की कीमत 33 लाख रुपये पुलिस के द्वारा बताया गया। बताया जा रहा है कि यह शराब दशहरा के बाद त्योहारी सीजन को देखते हुए बाजार में बेचने के लिए मंगाया गया था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर हथबंद थाना क्षेत्र के ग्राम केसदा के एक सूने मकान में हथबंद पुलिस ने छापामारा जहां से 502 पेटी शराब को जप्त करने के साथ एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। जिससे पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि जब्त शराब की की अनुमानित कीमत 33 लाख रुपये है और जब्त शराब में 504 पेटी गोवा ब्रांड शराब तथा 28 पेटी देशी शराब था।

### बदमाश ने पुलिसकर्मी पर फेंका खौलता तेल

**सूरजपुर।** जिले में इन दिनों बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद है कि ये पुलिस वालों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे। ताजा मामला सूरजपुर कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जहां ड्यूटी पर तैनात आरक्षक के ऊपर एक बदमाश ने खौलता हुआ तेल फेंक दिया। इससे जवान बुरी तरह झुलस गया है। घायल जवान को इलाज के लिए फौरन अस्पताल लाया गया है। जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर कोतवाली थाना में पदस्थ घनश्याम सोनवानी की ड्यूटी दुर्गा विसर्जन में लगाई गई थी। इस दौरान जब आरक्षक अपनी ड्यूटी खत्म करके चाय की दुकान में चाय पी रहा था। तभी किसी बात को लेकर आदतन बदमाश कुलदीप साहू से उसकी नोकझोंक हो गई। जिसके बाद कुलदीप ने बगल के होटल में चूल्हे पर चढ़े खौलते तेल को जवान के ऊपर फेंक दिया। गर्म तेल से जवान बुरी तरह झुलस गया। घायल पुलिसकर्मी को जिला अस्पताल सूरजपुर में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर के लिए रेफर कर दिया।

### बस्तर दशहरा की भीतर रैनी रस्म पूरी

**बस्तर।** देशभर में मनाए जाने वाले दशहरा पर्व से बस्तर का दशहरा अलग है। जहां एक ओर पूरे देश में रावण का पुतला दहन किया जाता है। वहीं बस्तर में विजयदशमी के दिन दशहरा की प्रमुख रस्म भीतर रैनी निभाई जाती है। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरे में हर साल विजयदशमी के दिन 8 चक्कों के विशालकाय विजय रथ में बस्तर की आराध्यदेवी दंतेश्वरी के छत्र को रथारूढ़ कर शहर भ्रमण करवाया जाता है। इस साल यह रस्म रविवार की रात निभाई गई। इस रस्म को देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। भीतर रैनी रस्म के तहत राजपरिवार सदस्य गद्दी में बैठकर जनता को सुबह से शाम तक दर्शन भी दिए। कमलचंद भंजदेव ने कहा भीतर रैनी रस्म से आशय है कि आज राजा महल के भीतर ही रहेंगे और क्षेत्र की जनता, जो उनसे मिलने आते हैं, उन्हें दर्शन देंगे। इसके अलावा आज के दिन जनता के लिए राजमहल में प्रवेश करने की अनुमति रहती है। सुबह से ही राजा गद्दी में बैठे रहते हैं, जब तक जनता का आना समाप्त नहीं होता है।

# घायल नक्सलियों का पुलिस समुचित इलाज करायेगी, उसे नुकसान नहीं पहुंचायेगी : गौरव रॉय

**दंतेवाड़ा।** जिले की सीमा पर हुए अब तक के सबसे बड़े थुलथुली मुठभेड़ के बाद भले ही पुलिस ने 31 शवों को बरामद किया है, लेकिन सूत्रों का दावा है, इसमें और भी नक्सली मारे गये हैं। सूत्रों के हवाले से खबर मिली है कि 4 अक्टूबर को थुलथुली मुठभेड़ में पांच और नक्सली मारे गए हैं। इनमें से तीन नक्सलियों के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। वहीं दो नक्सलियों का शव अभी तक नहीं मिला है, नक्सली उनकी खोज में लगे हैं। इधर घायल नक्सलियों की संख्या को लेकर भी सूत्रों का दावा है कि यह आंकड़ा 16 का है। इन दावों के अनुसार मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की संख्या 36 पहुंच चुकी है, वहीं 16 घायल है, जिनमें कुछ घायलों की स्थिति गंभीर है। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय का कहना है कि

हमारे पास भी कुछ ऐसी ही सूचना आ रही है, कि मरने वाले नक्सली और घायल नक्सलियों की संख्या कहीं ज्यादा है। लेकिन अभी इस पर स्पष्ट कुछ नहीं कहा जा सकता है। उन्होने कहा कि यदि कोई नक्सली घायल है और वह पुलिस से सहायता चाहता है तो पुलिस उसका समुचित इलाज करायेगी, पुलिस उसे नुकसान नहीं पहुंचायेगी।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार थुलथुली की जिस पहाड़ी की घेराबंदी कर जवानों ने नक्सलियों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है, इसमें बरामद 31 नक्सलियों से कई अधिक नक्सलियों के मारे जाने का दावा इस लिए भी मजबूत होता है कि अक्सर नक्सली मुठभेड़ के कुछ ही दिनों के भीतर पत्र के माध्यम से मारे गए साथियों की जानकारी सार्वजनिक करते हैं। लेकिन इस बार मुठभेड़ के सप्ताह भर बाद भी नक्सलियों ने कोई पत्र जारी नहीं किया है। वहीं इतने बड़े पैमाने पर नक्सलियों के मारे जाने की सूचना सार्वजनिक करने पर नक्सलियों के संगठन में भगदड़ की स्थिति निर्मित हो सकती है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कुछ नक्सली थुलथुली मुठभेड़ से पहली रात कुछ सामान लेने मंगनार गांव आये थे। देर रात ही वे वापस बुलधुली लौट गये। यहां धुलधुली में ही उन नक्सलियों ने रात बिताई। इसके बाद इन्हें उसी पहाड़ी पर जाना था जहां मुठभेड़ हुआ, लेकिन किन्हीं कारणों से ये नक्सली पहाड़ी तक नहीं जा सके और इससे पहले ही फायरिंग शुरू हो गयी। फायरिंग की आवाज सुनकर उन नक्सलियों ने वर्दी और हथियार फेंक दिया। वर्दी और हथियार को खेतों में छिपाकर वे आम ग्रामीणों की तरह लुंगी और बनियान धारण कर लिये, ये नक्सली घरों में तब तक मौजूद रहे जब तक जवान आपरेशन के बाद वापस नहीं लौटे। जवानों के लौटने के बाद नक्सली वहां से चले गये। सूत्र ये भी दावा कर रहे हैं कि इसमें एक बड़ा नक्सली लीडर भी मारा गया है, जिसका नाम मुरली बताया जा रहा है। सूत्रों की माने तो ये डीवीसीएम के पद पर था। हालांकि पुलिस अभी किसी भी दावे की पुष्टि करने से बच रही है।

# दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट चाकूबाजी में दो लोग घायल

- **आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार**

**बलौदाबाजार-भाटापारा।** बलौदाबाजार के हृदयस्थल कहे जाने वाले गार्डन चौक में दशहरा उत्सव के बाद दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस चाकूबाजी में सुशांत पांडे को गंभीर चोट आई वहीं डिगेश ध्रुव भी घायल हो गया। शिकायत पर चाकूबाजी करने पर टेक राम ध्रुव और दीपक यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि यह लड़ाई कोतवाली थाना क्षेत्र के गार्डन चौक पर दुर्गा पंडाल के पास उस समय हुई जब डिगेश ध्रुव के साथ टेक राम ध्रुव और दीपक यादव मारपीट कर रहे थे, तभी सुशांत पांडेय वहां पहुंचा और झगड़ा छुड़ाने लगा।

इसी बीच सुशांत को चाकू मारकर घायल कर दिए। सुशांत की शिकायत पर कोतवाली पुलिस एफआईआर दर्ज कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। हालांकि इस दौरान कोतवाली थाने में बहुत देर तक हंगामा होता रहा। मामले में पीड़ित डिगेश और सुशांत ने पूरी घटना बताई वहीं पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि मामले में कार्रवाई कर आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है।

बता दे कि जिले में इन दिनों लगातार चाकु बाजी की घटना बढ़ रही है और युवा वर्ग जहाँ एक ओर नशे की प्रवृत्ति में लिप्त है वही उनके अंदर क्रोध ज्यादा उत्पन्न हो रहा है युवाओं को आसानी से आनलाईन ये औजार उपलब्ध हो रहे हैं। जिस पर भी पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने शिकंजा कसना प्रारंभ किया है और सप्लाई करने वाले कंपनियों को नोटिस भी देने की बात सामने आई है।

## संक्षिप्त समाचार

### गैंगस्टर अमन साहू 19 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर

**रायपुर।** तेलीबांधा शूट आउट के मुख्य

आरोपी गैंगस्टर झारखंड के माफिया सरगना अमन साव (साहू) को विशेष कोर्ट में सोमवार को पेश किया गया। पुलिस उससे पूछताछ के लिए 5 दिनों की रिमांड पर लेना चाहती थी और स्पेशल कोर्ट ने 19 अक्तूबर तक गंज पुलिस को रिमांड पर दे दिया। कोर्ट में पेश करने से पहले उसकी मेडिकल जांच की औपचारिकता पूरी की गई। इससे पहले पुलिस रात करीब 1.30 बजे चाईबासा जेल से लेकर राजधानी पहुंची। गैंगस्टर अमन साव पर झारखंड में तकरीबन सौ मामले चल रहे हैं और पिछले तीन महीने में दो केस रायपुर में रजिस्टर हुए हैं। इनमें बीते अप्रैल में तेलीबांधा स्थित रोड निर्माण ठेका फर्म प्रहलाद राय अग्रवाल (पीआरए) के संचालकों पर असफल हमले का भी मामला है। गैंगस्टर अमन को इन्हीं केस के सिलसिले में गिरफ्तारी तथा पूछताछ के लिए रायपुर लाया गया है। अमन साव कुछ दिन पहले तक गिरीडीह जेल में था, लेकिन वहां जेलर को धमकियां मिलने के बाद उसे चाईबासा जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। अमन साव पहला बड़ा माफिया है, जिसे रायपुर पुलिस यहां दर्ज केस में पूछताछ के लिए लेकर आई है।

### बलौदाबाजार में प्रशासनिक फेरबदल, 74 अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले

**बलौदाबाजार।** छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार से बड़ी खबर सामने आई है। यहां 74 पुलिस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। लिस्ट में ज्यादातर ऐसे अधिकारी हैं जो लंबे समय से एक जगह पर जमे हुए थे। भाटापारा शहर थाना से 18 आरक्षक ,ग्रामीण थाना से 12 आरक्षक, कसडोल थाना से 6 आरक्षक, गिधौरी थाना से 6 ,राजदेवरी से 4 इस तरह जिले के अलग अलग थानों से कुल 74 आरक्षकों का ट्रांसफर किया गया है।

### तेरह भाषाओं में अनुदित संक्षिप्त वाल्मीकीय रामायण का विमोचन

**रायपुर।** रामायण प्रसार - परिशोध प्रतिष्ठान, अम्बाला शहर द्वारा वाल्मीकि रामायण का गद्य में संक्षिप्त कथा सार प्रकाशित किया गया है। मूल रूप से हिन्दी एवं अंग्रेजी में अनुवादित इस कथा सार के आधार पर संस्थान द्वारा देश एवं विदेश की अनेकों भाषाओं में इसका अनुवाद करवाया जा रहा है। नारायणी साहित्यिक संस्थान की डॉ. मृणालिका ओझा ने बताया कि हिन्दी, अंग्रेजी के अतिरिक्त हरियाणवी, डोगरी, नेपाली, छत्तीसगढ़ी, सिन्धी, असमिया, रवांल्टी, ब्रज, स्पैनिश, मराठी एवं तेलुगू भाषा में किये गए अनुवाद का विमोचन सोमवार सुबह राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदरदास जी महाराजश्री के करकमलों से श्री दूधाधारी मठ में हुए संपन्न हुआ। राजेश्री महंत ने इस कार्य की प्रशंसा करते हुए अनुवाद को थोड़ा और विस्तारित करने का भी सुझाव दिया। इस अवसर पर राजेंद्र ओझा, नितिन कुमार झा, ह्रषिक, रौशनी, रवि शर्मा, ट्रस्टी विजय पाली, रमेश यदु आदि उपस्थित थे।

### 24 वर्षो से नियमित प्रकाशित लोधी क्षत्रिय समाज के स्मारिका का 24 को होगा

**रायपुर।** कुम्हारी टोला नाका के पास स्थित

लोधेशवरधाम में लोधी क्षत्रिय समाज चंगोराभाठा ईकाई के द्वारा 24 नवंबर को दीपावली मिलन समारोह, युवक -युवती परिचय सम्मेलन, वार्षिक सम्मेलन एव के साथ ही विगत 24 वर्षों से नियमित प्रकाशित हो रहे स्मारिका भी विमोचन किया जाएगा। इस अवसर पर अंचल के अलावा महाराष्ट, मध्यप्रदेश, झारखंड, विदर्भ, राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, तेलगांना गोवा एवं हरियाणा से पदाधिकारी शामिल होंगे। समाज के सचिव प्रहलाद दमाहे ने बताया कि विगत 24 वर्षो से लोधी क्षत्रिय समाज चंगोराभाठा ईकाई के द्वारा स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा हैं जो कि छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान का प्रथम नियमित प्रकाशित होने वाला स्मारिका है जिसका विमोचन 24 नवंबर को किया जाएगा। स्मारिका में अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की जीवनी, परम पूज्य स्वामी ब्रम्हानंद लोधी के अलावा लोधी समाज के अन्य महान विभूतियो की जीवनी भी प्रकाशित की जायेगी। इसके अलावा विवाह योग्य युवक - युवती का परिचय सम्मेलन भी आयोजित किया गया है जिसमें अभी तक 100 से अधिक विवाह योग्य युवक-युवतियों का बायोडाटा प्राप्त हो चुका है।

### मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 16 अक्टूबर को

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 16 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11 बजे कैबिनेट की बैठक मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर में आयोजित की गई है।

# सूरजपुर में भारी बवाल, आक्रामक भीड़ ने एसडीएम को दौड़ाया

## भीड़ ने आरोपी के घर में लगाई आग, कुलदीप की तलाश में छापेमारी तेज

**सूरजपुर।** छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में कोतवाली में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब की 32 वर्षीय पत्नी और 11 बेटी की हत्या के बाद आज भीड़ उग्र हो गई। इस भीड़ के आक्रामक होने पर वहां पहुंचे एसडीएम जगन्नाथ वर्मा ने दौड़कर अपनी जान बचाई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

इस डबल मर्डर की वारदात से सूरजपुर में तनाव की स्थिति है। आक्रोशित भीड़ ने थाने के सामने धरना दिया और जमकर नारेबाजी की है। गुस्साई भीड़ ने हत्या के आरोपी कुलदीप साहू के घर को फूंक दिया है। घटना के विरोध में लोगों ने इलाके की सारी दुकानों को बंद कर दिया है। फिलहाल, सूरजपुर शहर और आस-पास की एरिया में तनावपूर्ण स्थिति है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर भीड़ को काबू करने में जुटे हुए हैं। पुलिस लगातार लोगों को समझाइश दे रही है।

बेटी और मां के हत्या का आरोपी कुलदीप साहू आदतन बदमाश है। इस घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने आरोपी साहू के पुराना बाजार स्थित मकान को आग के हवाले कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, आरोप कुलदीप साहू एनएसयूआई का पूर्व महासचिव रह चुका है। घटना की सूचना पर एसडीएम जगन्नाथ वर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाने की कोशिश पर गुस्साई भीड़ ने एसडीएम पर हमला कर दिया।

एसडीएम को भी पीटा। किसी तरह से वह अपनी जान बचाकर भागे। एक जवान ने उन्हें बचाने के लिए भीड़ से बाहर करते हुए दिखा। भीड़ ने आरोपी के घर के पास और गोदाम के पास खड़ी कई गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया है।

बीते रविवार की शाम को जब प्रधान आरक्षक तालिब और आरक्षक घनश्याम सोनवानी चौपाटी पर खड़े थे। तब अचानक कुलदीप ने बिरयानी सेंटर से कड़ाही पर मौजूद गर्म तेल सिपाही घनश्याम पर उड़ेल दिया। बेहद गंभीर हालत में घनश्याम सोनवानी को उपचार के लिए अस्पताल दाखिल कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

आरक्षक घनश्याम सोनवानी पर कुलदीप साहू हमला कर फरार हो गया। पुलिस को आशंका है कि इस वारदात के बाद कुलदीप भैयाथान रोड स्थित रिंग रोड पर निवासरत प्रधान आरक्षक तालिब के घर पहुंचा और तालिब की पत्नी और बिटिया को बलपूर्वक उठा ले गया। जिसके बाद धारदार हथियार से दोनों लोगो की हत्या कर शव को दो किलोमीटर दूर फेंक दिया।

प्रधान आरक्षक के परिवार की हत्या को लेकर पीएम रिपोर्ट से स्थिति और स्पष्ट रुप से सामने आएगी। बच्ची और महिला के शव की स्थिति को देखते हुए प्रारंभिक पीएम रिपोर्ट का इंतजार है।

वहीं खबर है कि आरोपी कोतवाली पुलिस की लगातार कार्यवाही से नाराज था। आरोपी के भाई संदीप ने एक व्यक्ति को छत से धक्का दे दिया था। जिस वजह से पुलिस संदीप को जब गिरफ्तार कर रही थी तब कुलदीप ने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जताई थी। जिसके बाद विवाद उस समय भी गहरा गया था जब जिला बदर हो चुके आरोपी के चाचा के खिलाफ जिला बदर की अवहेलना के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की थी। चर्चा यह भी है कि आरोपी लगातार पुलिस के द्वारा उसके परिवार के खिलाफ कार्रवाई से बौखलाहट में दिख रहा था। वहीं सूरजपुर में इस प्रकार की घटना पहली बार घटित हुई है। जिसमें किसी अपराधी ने पुलिस के परिवार को ही निशाना बनाया हो। कुलदीप की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। कुलदीप का एक वाहन लटोरी के पास बरामद हुआ है।

## अरुण साव ने कहा, लोग कानून न हाथ में न लें, भरोसा रखें शिव डहरिया का आरोप, सरकार समाज को लड़ाने में लगी

**सूरजपुर।** सूरजपुर कोतवाली थाना क्षेत्र में प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी और बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। डबल मर्डर से इलाके की गुस्साई भीड़ ने आरोपी आदतन बदमाश कुलदीप साहू के घर को आग हवाले कर दिया है। इसके साथ ही उसकी गाड़ी और गोदाम में भी आग लगा दी गई है। वहीं भीड़ को नियंत्रित करने पहुंचे एसडीएम जगन्नाथ वर्मा पर भी भीड़ ने हमला कर दिया और एसडीएम ने भागकर अपनी जान बचाई। इधर इस घटना को लेकर प्रदेश में सियासत गरमा गई है।

इस घटना से लोगों में भारी आक्रोश है और आरोपी की गिरफ्तारी न होने से लोग नाराज हैं। इस दौरान गुस्साई भीड़ ने आरोपी के घर और वाहनों में आग लगा दी। वहीं मौके पर पहुंचे एसडीएम जगन्नाथ वर्मा पर भी भीड़ ने हमला किया, लेकिन एक पुलिसकर्मी ने उन्हें बचा लिया। उनके जान बचाकर भागने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वहीं मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है।

इस घटना पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रशासन अपनी कार्रवाई कर रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा उन पर कार्रवाई होगी। किसी को भी कानून व्यवस्था अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं है।

डबल मर्डर पर पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पहले भी बदमाश उनके घर में घटना कर चुका था। छत्तीसगढ़ में यदि पुलिस सुरक्षित नहीं है। ऐसे कानून व्यवस्था की स्थित क्या है यह सोच सकते हैं। जनता ने जनादेश दिया है तो सरकार को उसका सम्मान करना चाहिए। बहुत से अक्षम लोग बैठे हैं, जो निर्णय लेने में सक्षम नहीं है। कभी सांप्रदायिकता, कभी साहू-सतनामी समाज को लड़ाया जा रहा है।

बता दें कि रविवार को जिलाबदर बदमाश कुलदीप साहू ने गर्म तेल डालकर पुलिसकर्मी को गंभीर रूप से घायल कर दिया था और उसकी तलाश कर रहे पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ाने की भी कोशिश किया था। जिसकी तलाश में प्रधान आरक्षक तालिब शेख भी जुटा हुआ था। इस बीच जब देर रात प्रधान आरक्षक तालिब शेख अपने महगंवा स्थित किराए के मकान में पहुंचा तो देखा कि घर खून से सना था। घर से पत्नी और बेटी गायब थी। जिनकी लाश आज घर से करीब 5 किलोमीटर दूर पीढ़ा गांव में खेत के नहर में अर्धनग्न अवस्था में मिली। दोनों की हत्या चाकू मारकर की गई है। एसपी सूरजपुर एमआर अहिरे का कहना है आदतन बदमाश कुलदीप साहू पर हत्या की आशंका है। ऐसे में पुलिस संदेही की तलाश में जुटी हुई है।

## निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने का मामला गरमाया

■ डिप्टी सीएम साव बोल- समिति की रिपोर्ट पर जल्द निर्णय लेगी सरकार, पूर्व मंत्री डहरिया ने कहा दोनों चुनाव एक साथ कराना व्यवहारिक नहीं

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में साय सरकार नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने की तैयारी में जुटी है। इस मामले में अब सियासत तेज हो गई है। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ करने के

लिए समिति का गठन किया गया था। समिति ने सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। सरकार इस रिपोर्ट पर विचार कर जल्द निर्णय लेगी। वहीं पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता शिव डहरिया ने भाजपा पर राजनैतिक लाभ लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, दोनों चुनाव एक साथ कराना व्यवहारिक नहीं है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, पूरे देश में वन नेशन वन इलेक्शन की चर्चा है। हम प्रयास कर रहे हैं कि धन और समय दोनों बच सके, इसके लिए नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ हो। कमेटी की रिपोर्ट सरकार के पास आ गई है। इस पर जल्द निर्णय लिया जाएगा।

वहीं इस मामले में पूर्व मंत्री शिव कुमार डहरिया ने भाजपा पर राजनैतिक लाभ लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिया एक साथ चुनाव कराने की तैयारी की जा रही है। बीजेपी हर जगह राजनैतिक लाभ लेने की कोशिश करती है। दोनों चुनाव का समय अलग-अलग है। ऐसे में एक साथ कैसे कर सकते हैं, ये व्यवहारिक नहीं है।

## राजधानी में सफाई कर्मचारियों को 4 महीने से नहीं मिला वेतन, निगम को ठेकेदारों की चेतावनी

रायपुर। नगर निगम के ठेकेदारों ने एक महीने के भीतर दूसरी बार चेतावनी दी है कि अगर चार महीने की लंबित राशि का भुगतान नहीं किया गया तो लगभग 3800 कर्मचारी काम बंद कर देंगे। आज निगम के उपनेताप्रतिपक्ष मनोज वर्मा के साथ ठेकेदारों ने अधिकारियों से मुलाकात की, जहां दोनों पक्षों के बीच जमकर विवाद हुआ। ठेकेदारों ने वित्त विभाग की अधिकारी कृष्णा खटिक से चर्चा करते समय लंबित भुगतान को लेकर सवाल उठाए, लेकिन खटिक ने सभी ठेकेदारों से बिल नहीं लगाने की बात कही। जब ठेकेदारों ने विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के बिलों के भुगतान की शिकायत की, तो अधिकारी ने इससे किनारा कर लिया। बता दें कि निगम के 40 से अधिक ठेकेदारों को चार महीने की 15 करोड़ की राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिसमें 3800 सफाई कर्मचारी शामिल हैं। दिवाली के दौरान कर्मचारियों को अतिरिक्त पैसे का भुगतान भी करना है, लेकिन ठेकेदारों के पास पर्याप्त पैसे नहीं हैं।

## गर्भवती महिलाओं की सुरक्षित प्रसव के लिए बेहतर सुविधा : जायसवाल

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सुविधाओं एवं संसाधनों में लगातार इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास सतत रूप से जारी है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार में कलेक्टर श्री दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिला अस्पताल बलौदाबाजार में इस वर्ष जनवरी 2024 से माह सितंबर तक 9 माह में कुल 1816 सफल प्रसव कराए गए हैं। उक्त प्रसव में से 1354 सामान्य प्रसव तथा 462 सिजेरियन शामिल है। सिजेरियन में आकस्मिक और पूर्व नियोजित दोनों ही सम्मिलित हैं। जिला अस्पताल बलौदाबाजार के सिविल सर्जन डॉक्टर के. के. टेम्भूरने ने बताया कि अस्पताल में तीन स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ कुशल प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ अपनी सेवाएं देते हैं। यहाँ आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रसव कक्ष स्थापित है। प्रसव के बाद नवजात शिशु के देखभाल हेतु विशेष एस.एन.सी.यू. भी स्थापित है। उक्त कुल प्रसव में 161 बच्चों को उक्त एस.एन.सी.यू. में भर्ती कर उनकी विशेष देखभाल भी की गई।

ग्राम खैरा से माह सितंबर में अपनी 23 वर्षीय पत्नी को प्रसव पीड़ा पर जिला अस्पताल लेकर आएं नोहर पटेल ने बताया कि अस्पताल में आने पर उन्हे बताया गया कि फीटल डिस्ट्रेस की स्थिति है जिसमें भ्रूण तक ऑक्सीजन पहुँचने में दिक्कत होती है और बच्चे की धड़कन बढ़ती है। ऐसे में ऑपिरेशन के माध्यम से प्रसव हुआ जिसमें मां और बच्चे दोनों ही स्वस्थ हैं। इसी प्रकार प्रोलांग लेबर (देर तक प्रसव पीड़ा) की स्थिति में आये हुए गिरौदपुरी के पास स्थित ग्राम खोसड़ा के रहने वाले महेंद्र पैकरा ने बताया कि 28 वर्षीय उनकी पत्नी को प्रसव पीड़ा काफी देर से हो रही थी जिस कारण जिला अस्पताल लेकर आया तथा यहाँ ऑपिरेशन के माध्यम से प्रसव हुआ। अस्पताल में दवाई और अन्य सुविधाएं नि:शुल्क प्राप्त हुई। इस प्रकार के ऑपिरेशन का निजी अस्पताल में काफी पैसा खर्च होता, जो बच गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलौदाबाजार डॉ. राजेश कुमार अवस्थी के अनुसार जिला अस्पताल एन.क्यू.ए.एस. प्रमाण पत्र धारी संस्था है। यह प्रमाण पत्र उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के कारण राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन के बाद प्राप्त हुआ है।

## जीवन में तरक्की के साथ-साथ प्रकृति से जुड़ के रहना जरूरी : बोरा

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव एवं जांजगीर-चांपा जिले के प्रभारी सचिव श्री सोनमणि बोरा ने छात्रावास-आश्रम व पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रभारी सचिव श्री बोरा ने निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में तरक्की के साथ-साथ प्रकृति से जुड़ के रहना जरूरी है। प्रकृति से जुड़े रहने से मन शांत और एकाग्र रहता है।

जिले के प्रभारी सचिव ने कहा कि छात्रों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिले और सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने छात्रावासों में बिजली, पानी और अन्य जरूरी संसाधनों की पर्याप्त आपूर्ति के लिए भी विशेष ध्यान देने संबंधितों को निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने छात्रावासों की व्यवस्था, स्वच्छता और छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। श्री बोरा ने छात्रावास में रहने वाले छात्रों से भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों को नियमित योगाभ्यास करने कहा।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए जिले के प्रभारी सचिव श्री बोरा ने कहा कि अपने विषय की तैयारी लक्ष्य बनाकर करें। इससे संबंधित विषय को लेकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने जिले में चलाये जा रहें उत्कृष्ट जांजगीर-चांपा अभियान को लेकर शिक्षकों और विद्यार्थियों से चर्चा की और बोलेगा बचपन, पढ़ाई का कोना अभियान की सराहना भी की। उन्होंने बारहवीं के विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा में लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने से आप सफलता की ओर बढ़ सकते हैं। इसके लिए आपको लक्ष्य बनाने से आपको मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा कि आपके पास अभी जो समय है उसका सही तरीके से उपयोग करें। लक्ष्य बनाकर मेहनत करते हुए आगे बढ़ने से सफलता प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन के लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। बच्चों ने अपने हाथों से बनायें ग्रीटिंग भी जिले के प्रभारी सचिव श्री बोरा को भेंट किये, जिन्हे देखकर उन्होंने बच्चों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने जाति प्रमाण पत्र का वितरण भी किया।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने राहौद के शासकीय नवीन प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास का निरीक्षण कर छात्रवास के बच्चों से खेल कूद मनोरंजन एवं पढ़ाई से संबंधित सवाल जवाब किये। उन्होंने एसडीएम तहसीलदार को समय-समय पर छात्रावास का निरीक्षण करने तथा बच्चों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्य को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास में बागवानी एवं फल-सब्जी भी लगाने कहा। इस मौके पर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री विवेक शुक्ला, सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी उपस्थित थे।

## छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जों की होगी जांच : डॉ. राज

■ वक्फ बोर्ड के नए नियमों का पालन करना उनकी प्राथमिकता होगी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जे की विस्तृत जांच कराई जाएगी। ज्यादातर संपत्तियों पर कांग्रेस नेताओं का कब्जा है, और जो भी लोग इन संपत्तियों पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह बयान वक्फ बोर्ड के नए चेयरमैन डॉ. सलीम राज ने सोमवार को दिया, जब वे इस पद पर चुने गए। उन्होंने साफ किया कि उनकी प्राथमिकता अवैध कब्जों को हटाना और समाज की बेहतरी के लिए काम करना है। दो महीने पहले केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड के कानून में संशोधन किया था, जिसके बाद वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का ब्यौरा रखने की प्रक्रिया शुरू हुई।

डॉ. सलीम राज ने कहा, इन संपत्तियों की जांच कराई जाएगी और अवैध कब्जों को हटाया जाएगा। इसके अलावा, वक्फ बोर्ड शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में भी समाज के लिए कार्य करेगा। शिक्षा के स्तर को बढ़ाने और बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिए वक्फ बोर्ड के माध्यम से विभिन्न योजनाएं चलाई जाएंगी। डॉ. सलीम राज ने कहा कि वक्फ

बोर्ड के नए नियमों का पालन करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि समाजसेवियों द्वारा दान की गई संपत्तियों पर अवैध कब्जा हो गया है।वक्फ बोर्ड इन संपत्तियों की जांच करेगा और अवैध कब्जों को हटाने के लिए कदम उठाएगा।शिक्षा के स्तर को बढ़ाने और बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाए जाएंगे।डॉ. सलीम राज का लक्ष्य समाज की भलाई के लिए वक्फ बोर्ड का सक्रिय योगदान देना है।वक्फ बोर्ड शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सुधार के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

### डॉ. सलीम राज छग राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष निर्वाचित

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के सभापति / अध्यक्ष गुलाम मिन्हाजुद्दीन के विरूद्ध सदस्यगण इमरान मेमन, मोहम्मद फिरोज खान, फैसल रिजवी एवं डॉ. सलीम राज के द्वारा अविश्वास प्रस्ताव राज्य

शासन को वक्फ अधिनियम 1995 यथासंशोधित 2013 की धारा 20(क) के अंतर्गत प्रेषित किया गया था। जिसके परिपालन में वक्फ अधिनियम 1995 यथासंशोधित 2013 की धारा 20 ( क) के अंतर्गत विचार किये जाने हेतु राज्य शासन द्वारा नियुक्त पीठासीन अधिकारी श्री मार्टिन लकड़ा, अवर सचिव, छ.ग. शासन, पशुधन विकास विभाग द्वारा कार्यालय छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड, रायपुर में सोमवार सुबह 10:30 बजे बैठक आयोजित की गई जिसमें गुलाम मिन्हाजुद्दीन को सर्वसम्मति/बहुमत के आधार पर सभापति / अध्यक्ष के पद से हटाने का संकल्प पारित किया गया। इसके उपरांत डॉ.सलीम राज को सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति / बहुमत से छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड का नया अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नवनिर्वाति सभापति / अध्यक्ष डॉ. सलीम राज द्वारा छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड के सभापति / अध्यक्ष का पद्भार ग्रहण किया गया। इस अवसर पर बोर्ड के माननीय सदस्यगण, कर्मचारीगण द्वारा नवनिर्वाचित माननीय सभापति / अध्यक्ष को बधाई दी गई।

## भयावह अपराध प्रदेश में तब्दील होते हुए देख रहे हैं : सिंहदेव

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने सोमवार को अपने ट्वीटर हैंडल एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि सभी छत्तीसगढ़ वासी बहुत ही कष्ट के साथ प्रदेश को एक भयावह अपराध प्रदेश में तब्दील होते हुए देख रहे हैं। अपराधी निर्भीक हैं जैसे उन्हें या तो प्रशासन का डर नहीं, या उसके समर्थन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने आगे लिखा कि सूरजपुर में प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी की बेरहमी से हत्या ने एक बार फिर सरकार और कानून-व्यवस्था की निष्क्रियता को उजागर किया है। जब एक पुलिसकर्मी के परिवार को इस तरह के खतरे में है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा का क्या हाल होगा? सरकार की सुरक्षा व्यवस्था में चूक ने हमारे समाज को एक डरावने भविष्य में धकेल दिया है। दुर्दांत अपराधी निर्मम हत्याएं जैसे भयंकर से भयंकर अपराध कर किस प्रकार फरार हो जा रहे हैं - क्यों पुलिस प्रशासन को इतना कमज़ोर कर दिया गया है कि वो स्वयं खतरे में हैं? क्यों लगातार हो रहे अपराध और समाज में फैलते भय के बाद भी सरकार में सुधार की कोई योजना नहीं है? भाजपा सरकार जवाब दे कि आखिर कब तक प्रदेश को ऐसी बर्बरता और अराजकता को सहन करना पड़ेगा? याद रहे हमारे सुरक्षा बल और उनके परिवार भी छत्तीसगढ़ परिवार का हिस्सा हैं - उनके विरुद्ध ऐसे अन्याय और अपराध नाकाबिले बर्दाश्त हैं। अब और खामोशी नहीं!

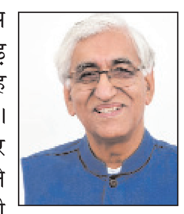

# जीता हुआ चुनाव भी हार सकती हैं पार्टियां

**पी. चिदंबरम**

एक उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ना कठिन काम है, हालांकि यह बने-बनाए रास्ते पर चलने जैसा है। एक उम्मीदार का चुनाव प्रबंधन करना कठिन और मुश्किल काम है। राजनीतिक दल के राज्य प्रभारी के नाते चुनाव प्रबंधन करना और भी जटिल काम है, जिसमें आपको अलग-अलग काम करने होते हैं। चुनाव एक निर्णायक फुटबाल मैच की तरह है, जिसमें तय होता है कि एक कोच जीतेगा और दूसरा हारेगा। एक पार्टी चुनाव जीतती है या हारती है, लेकिन जब किसी राजनीतिक दल द्वारा हारे गए चुनाव की संख्या जीते गए चुनाव से अधिक होती है तो यह उसके लिए चिंतन करने का समय होता है। मेरी चुनावी यात्रा 1984 के लोकसभा चुनाव से शुरू हुई थी। मैंने आठ लोकसभा चुनाव लड़े और सात में जीत दर्ज की। इससे इतर मैंने कई चुनाव कराए हैं। अभी भी मैं अपने जिले में चुनाव प्रबंधन देखता हूं। चुनावी परिदृश्य में आए नाटकीय बदलावों का बीते 50 वर्षों से गवाह रहा हूं, लेकिन कुछ चीजें लगातार प्रासंगिक बनी हुई हैं और ये हमेशा रहेंगी। बस समय के साथ इनमें कुछ सुधार होगा। एक राजनीतिक दल के लिए कुछ आधारभूत चुनावी बातें इस प्रकार है- किसी भी राजनीतिक दल की राष्ट्रीय समिति तीन माह में एक बार बैठक कर सकती है, जो कि काफी नहीं है। किसी भी पार्टी के लिए जिला, शहर, ब्लॉक, वार्ड और गांव स्तर पर गठित समितियां हृदय की तरह हैं, जिनका 24 घंटे धड़कते रहना जरूरी है। ये पार्टी की नींव होती हैं। आप उस राजनीतिक दल के बारे में क्या कहेंगे, जिसने कई सालों से जिला, शहर और इनके अधीनस्थ समितियों का गठन नहीं किया या पदाधिकारियों की नियुक्ति नहीं की? मैं कहूंगा कि उस राज्य में वह दल सिर्फ विचारों में ही मौजूद है। ज्यादातर राजनीतिक दल सदस्यता अभियान में सर्व समाज से जुड़ते हैं, कार्यकारी समितियों में भी सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देते हैं, लेकिन उम्मीवारों के चयन में इसे भूल जाते हैं। इसमें वे 'जीतने की संभावना' की आड़ में किसी खास जाति के प्रत्याशी को बाहर कर देते हैं। मतदान से पहले ही यह मान लेना कि कोई खास जाति पार्टी का समर्थन करेगी या कोई खास जाति विपक्षी पार्टी को समर्थन देगी, उम्मीदवारों के चयन को एक जाति के पक्ष में ला देगा और अन्य जातियों को हाशिए पर पहुंचा देगा। मेरा अनुभव है कि चुनाव दर चुनाव जातियों का प्रभाव लगातार कम हुआ है। हालांकि जब महिलाओं की बात आती है तो 'जीतने की संभावना' का बनावटी तर्क हर सीट पर पुरुष उम्मीदवार के पक्ष में जाता है। चुनावों में सभी दलों में अनुशासन भंग हो जाता है। अपने ही पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ काम करना तो आम बात है। बागी उम्मीदवारों को उतारने का चलन भी तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें से कुछ विपक्षी दल द्वारा उतारे गए होते हैं। यह खतरनाक परंपरा है। कई बार बागी उम्मीदवार को मिले वोट आधिकारिक प्रत्याशी को तीसरे या चौथे स्थान पर पहुंचा देते हैं। ज्यादातर मामलों में देखने को मिलता है कि पार्टी कार्यकर्ताओं की पहली प्राथमिकता बागी उम्मीदवार था। एक राज्य विधानसभा चुनाव के विश्लेषण से पता चला कि बागी उम्मीदवारों के चलते एक दल 17 सीट हार गया। वर्तमान में कुछ राजनीतिक दलों के पास सक्रिय बूथ समितियां है। इसकी शुरुआत डीएमके और एआईएडीएमके ने की थी। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मदद से भाजपा ने भी द्रविड़ दलों की नकल करने की कोशिश की और कुछ हद तक सफल भी हुई। बूथ समितियां अंतिम चरण में प्रचार से अकेले माहौल बना सकती हैं, साथ ही मतदान के दिन मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद कर सकती हैं। ऐसे में जो पार्टी बूथ स्तर पर अपना संगठन खड़ा नहीं करेगी, वो संभावित समर्थकों के वोट गंवा देगी। ऐसा व्यक्ति जिसने कभी चुनाव न लड़ा हो या जिसने कभी चुनाव न जीता हो, वह सबसे खराब चुनाव प्रभारी होगा। एक चुनाव प्रभारी को मतदान से छह माह पहले राज्य में अपना ठिकाना बना लेना चाहिए, उसे तकनीकी रूप से जानकार होना चाहिए, किसी भी जाति या लैंगिक भेदभाव से मुक्त होना चाहिए और विपक्षियों से निपटने की क्षमता होनी चाहिए। सभी पार्टियों में कुछ ऐसे नेता हैं, जो इस भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं, लेकिन ऐसे भी हैं, जो इस योग्य नहीं हैं। एक ऐसा प्रभारी, जो हर मामले का जानकार बनता हो, सबसे बदतर है। चुनाव में पैसा एक महत्वपूर्ण फैक्टर है, लेकिन निर्णायक नहीं है। पैसे का वितरण पूरी तरह से व्यर्थ है, क्योंकि विपक्षी उम्मीदवार भी पैसे वितरित करते हैं। पैसे का बेहतर उपयोग सोशल मीडिया पर खर्च करने में होना चाहिए। कुछ पैसा चुनाव के दिन बूथ प्रबंधन के लिए भी रखना चाहिए। ज्यादतर उम्मीदवार दावा करते हैं कि मतदान से पहले उनका बजट खत्म हो जाता है। अगर कोई राजनीतिक दल चुनावी हार से सबक नहीं सीखता है तो जीता हुआ चुनाव भी हार सकता है।

# नतीजे पक्ष में आए तो लोकतंत्र की जीत, नहीं तो खतरा!

**नवीन कुमार पाण्डेय**

2009 में कांग्रेस नेतृत्व के संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की पहली सरकार बनी थी। उस वर्ष 22 मई को मनमोहन सिंह सरकार ने शपथ ग्रहण किया था। चार महीने बाद महाराष्ट्र, हरियाणा और अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा के चुनाव हुए। तीनों प्रदेशों में बीजेपी के चुनाव प्रभारी मुख्तार अब्बास नकवी ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में गड़बड़ी का दावा करते हुए बहुत बड़ी बात कह दी। नकवी ने कहा कि ईवीएम कांग्रेस के लिए इलेक्ट्रॉनिक विक्ट्री मशीन बनती जा रही है।

नकवी ने ईवीएम पर संदेह जताया, लेकिन चुनाव आयोग को सीधा-सीधा कुछ नहीं कहा। लेकिन इसका कतई मतलब नहीं कि उन्होंने चुनाव आयोग को निष्पक्ष माना। नकवी का परोक्षा हमला चुनाव आयोग पर ही था, लेकिन बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने नकवी का बिल्कुल साथ नहीं दिया बल्कि उन पर बयान वापस लेने का दबाव बनाया। नकवी केंद्रीय नेतृत्व के दबाव में तुरंत बदल भी गए। उन्होंने ईवीएम पर लांछन लगाने के रुख से पलटकर कहा कि पार्टी के खराब प्रदर्शन के कारणों पर मंथन किया जाएगा। उसके बाद से बीजेपी की तरफ से ईवीएम की खामियों पर चर्चा जरूर हुई, लेकिन बयानों में सतर्कता बरती जाने लगी कि कभी चुनाव आयोग की निष्पक्षता को सवालों के घेरे में नहीं खड़ा किया जाए।

दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी और उसका शीर्ष नेतृत्व है। कांग्रेस हर हार में सीधे-सीधे चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करता ही है, इसका शीर्ष नेतृत्व भी इस अभियान में शामिल होता है। ऐसा तब हो रहा है जब ईवीएम पर जांच-परख की एक लंबा दौर चला और चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने तमाम शिकायतों के मद्देनजर हर तरह की पड़ताल की और ईवीएम को छेड़छाड़ से परे बताया। वो भी एक बार नहीं, कई बार। अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अब ईवीएम पर उंगली नहीं उठाई जानी चाहिए क्योंकि यह हर अग्नि परीक्षा में पास हो हुई है। उधर चुनाव आयोग ने अनेक बार शिकायती पक्षों को चुनौती दी कि वो ईवीएम पर लगाए जा रहे आरोपों को साबित करें। चुनाव आयोग के ईवीएम पर हैकथॉन में ज्यादातर शिकायती पक्ष तो कभी शामिल ही नहीं हुए और जो कभी शामिल भी हुए तो अपने आरोपों को साबित नहीं कर सके।

ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया पर कांग्रेस का रुख कमाल का होता है। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लगातार कहते हैं कि वो लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन बिना

सबूत संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने से भला लोकतंत्र की रक्षा कैसे होती है? 8 अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनावों की मतगणना से पहले कांग्रेस जीत की उम्मीद में लोकतंत्र का जश्न मना रही थी। पार्टी की तरफ से जलेबियां बनवाई जा रही थीं, ढोल-नगाड़ों का इंतजाम किया गया था। मतगणना शुरू हुई तो पहले दो-ढाई घंटों तक के रुझानों में कांग्रेस पार्टी को ही बढ़त मिलती रही।

लेकिन जैसे ही रुझान बदले और कांग्रेस पार्टी अपने प्रतिद्वंद्वी बीजेपी से पीछे होने लगी तो पार्टी चुनाव आयोग पर हमले करने लगी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की तरफ से चुनाव आयोग पर सीधा-सीधा हमला किया जाने लगा। उन्होंने कहा कि कुछ ईवीएम खुलने के वक्त उनकी बैटरी 90% चार्ज देखी गई। और ऐसी हर ईवीएम से बीजेपी के पक्ष में वोट निकल रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक नए आरोप में चुनाव आयोग को पत्र भी लिख दिया। उन्होंने आयोग की वेबसाइट पर मतगणना के आंकड़े अपडेट करने में देरी का आरोप लगाया। मतलब चुनाव आयोग पर साजिश करने का आरोप।

फिर टीवी चैनलों पर बैठे कांग्रेस के प्रवक्ता और मीडिया चैनलों को इंटरव्यू दे रहे अन्य पार्टी नेताओं ने रट लगा दी कि चुनाव आयोग साजिश रच रहा है। कांग्रेस ने यहां तक कह दिया कि हरियाणा का चुनाव परिणाम माना नहीं जा सकता है। इस दौरान न राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल-प्रियंका या सोनिया गांधी में किसी ने हस्तक्षेप किया। सभी ने चुनाव आयोग पर हमलों पर चुप्पी साध रखी और जब राहुल ने अगले दिन अपने एक्स हैंडल पर पहली प्रतिक्रिया दी तो उसमें वो भी पार्टी लाइन पर ही जाते दिखे। राहुल ने लिखा, 'हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे।'

लेकिन जब इंडि गठबंधन के सहयोगी दल ही जब चुनाव प्रबंधन में फेल रहने का आरोप लगाकर कांग्रेस की लताड़ लगाने लगे तब पार्टी को अपना रुख बदलने पर मजबूर होना पड़ा। 10 अक्टूबर को हुई समीक्षा बैठक में फैसला किया गया कि एक फैक्ट फाइंडिंग कमिटी बनाई जाएगी जो ईवीएम को लेकर आई शिकायतों की जांच करेगी। और जब तक ईवीएम में गड़बड़ी के पुख्ता प्रमाण नहीं मिल जाएंगे तब तक चुनाव आयोग के खिलाफ कोई बया नहीं दिया जाएगा।

अब सोचिए कि किस तरह वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों समेत पूरी कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग जैसी अति महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था पर कितना बड़ा आरोप लगा दिया जो लोकतंत्र की नींव मजबूत रखने में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है! मजे की बात है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने लोकसभा में बीजेपी की बड़ी जीत का दावा करने के लिए एग्जिट पोल्स की जमकर आलोचना की थी। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने न्यूज चैनल आज तक के पैनल में शामिल हुए प्रदीप गुप्ता के साथ निकृष्ट दर्जे की अभद्रता की थी और कहा था- इससे क्या बात करना, इसने देश के खिलाफ साजिश की, इसने देश के छोटे निवेशिकों को धोखा दिया।

लेकिन जब हरियाणा के एग्जिट पोल्स गलत निकले तो कांग्रेस पार्टी ने अपने तोपों का मुंह चुनाव आयोग की तरफ मोड़ दिया। यानी, कांग्रेस नेतृत्व के मुताबिक बीजेपी की जीत दिखाने वाले एग्जिट पोल्स फर्जी होते हैं और एग्जेक्ट पोल्स में बीजेपी हार जाए तो चुनाव आयोग सही, लेकिन कांग्रेस को जिताने वाले एग्जिट पोल्स बिल्कुल सटीक होते हैं और असली परिणाम में कांग्रेस हार जाए तो चुनाव आयोग गलत हो जाता है। ये किस दर्जे का कुतर्क है, इसका अंदाजा कोई भी आसानी से लगा सकता है। हर कोई यह भी समझ सकता है कि ऐसे निराधार और हास्यास्पद दावों और आरोपों के पीछे कांग्रेस की कैसी मंशा होती है। दरअसल, वो बदनीयती का आरोप तो चुनाव आयोग पर लगाती है, लेकिन इस आरोप के पीछे उसकी ही घोर बदनीयती होती है। यह सीधा-सीधा देश-दुनिया में चुनाव आयोग जैसी संस्था की साख गिराने का घृणित इरादा होता है जो किसी लोकतंत्र समर्थक की पहचान तो नहीं ही हो सकती है।

हरियाणा में कांग्रेस (39.09%) और बीजेपी (39.94%) के बीच सिर्फ 0.85% वोट प्रतिशत का अंतर है। दोनों दलों (बीजेपी 48) और कांग्रेस (37) के बीच 11 सीटों का अंतर है। इस क्लोज फाइट के कारण कांग्रेस पार्टी को संदेह हो रहा है कि बीजेपी के पक्ष में आए चुनाव परिणाम के पीछे चुनाव आयोग का हाथ है। लेकिन दो वर्ष पहले 2022 में हिमाचर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भी यही स्थिति बनी थी। तब कांग्रेस को 43.90% वोट आए थे और बीजेपी 43% वोट लाई थी। लेकिन दोनों के बीच 15 सीटों का अंतर आ गया था। कांग्रेस के हिस्से 40 सीटें आई थीं जबकि बीजेपी को 25 सीटें मिली थीं। तब तो बीजेपी ने चुनाव आयोग पर कोई आरोप नहीं मढ़ा था और ना ही कांग्रेस पार्टी को ईवीएम या चुनाव आयोग से कोई शिकायत नहीं थी। फिर हरियाणा के साथ ही जम्मू-कश्मीर के भी चुनाव नतीजे घोषित हुए। बीजेपी जम्मू-कश्मीर में 25.64% वोटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी। लेकिन 23.43% वोट लाकर ही नैशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सीटों के मामले में बीजेपी से बहुत आगे निकल गई। कांग्रेस के साथ गठबंधन में एनसी को अकेले 42 सीटें मिलीं जबकि बीजेपी 29 सीटों पर ही सिमट गई। हाालंकि, बीजेपी को एनसी से 2.21% ज्यादा वोट मिले थे। तो क्या जम्मू-कश्मीर में ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता था?

विडंबना देखिए, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर वह कांग्रेस पार्टी सवाल उठाती है जिसकी मनमोहन सिंह सरकार ने नवीन चावला को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया था। नवीन चावला वही अधिकारी थे जिनकी जस्टिस जेसी शाह आयोग ने अपनी रिपोर्ट में गंभीर टिप्पणियां की थीं। जस्टिस शाह आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार में लगाए गए आपातकाल के दौरान की गई ज्यादतियों और इनमें शामिल लोगों की भूमिकाओं की जांच की थी। बाद में आयोग के एक सदस्य एली सिंह ने यहां तक कहा था कि नवीन चावला किसी भी पद पर रहने योग्य नहीं हैं, उन्हें तुरंत सरकारी सेवा से बर्खास्त किया जाना चाहिए। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने ऐसे व्यक्ति को चुनाव आयोग जैसी संस्था का सर्वोच्च पद सौंपा। नवीन चावला पर विस्तार से बात कभी और करेंगे। फिलहाल सवाल यह है कि कांग्रेस आखिर किस नैतिकता से चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा की बात भी कर पाती है? तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण का एक अंश बहुत लोकप्रिय है। उन्होंने लोकसभा में कहा था, हम तो जीते हैं और जीतकर भी विनम्र हैं, हार में तो आत्ममंथन होना चाहिए। लेकिन कांग्रेस पर यह सिद्धांत लागू नहीं होता। वह हारती है तो आत्ममंथन बाद में करती है, हार की भनक मिलते ही सारी मिसाइलें विरोधियों और संवैधानिक संस्थाओं पर छोड़ देती है। कई बार पार्टी के अंदर से ही आवाज उठती है। तब कांग्रेस की और भी फजीहत होती है। लेकिन विशेषकर राहुल गांधी की कांग्रेस की एक ही रट है- हमारी हार के लिए पूरी दुनिया, सारे ग्रह-नक्षत्र, दिग-दिगंत जिम्मेवार हैं, सिवाय गांधी परिवार के। कुल मिलाकर कहें तो कांग्रेस शर्म का कुल्ला करते हैं और कुर्तकों का स्नान।

## पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

# वेदपुराण-परम्पराध्यायः

**गतांक से आगे...**

**(गायत्री-आवाहन)**- (ख) वेदानां मातरं सावित्रीसम्पदमुपनिषदमुपासते। (गोपथ पू0 1।36) (ग) त्रिपदा गायत्री। (ताण्डय 10।5।4) (घ) स्तुता मया वरदा वेदमाता।

**(अथर्व)**- अर्थात् (क) हे वरदायिनि, तीन अक्षरों वाली, ब्रह्मवादिनि देवि, पधारिये। तुम वेदमाता और ब्रह्म (वेद) की योनि (मूल कारण) हो, तुम्हें नमस्कार हो (ख) वेदों की माता गायत्री सम्पद् है और उपनिषद् है उसकी उपासना करनी चाहिए। (ग) गायत्री के तीन पाद हैं। (घ) वेदमाता = गायत्री मेरे द्वारा स्तुत हो कर वर देने वाली बने।

इस प्रकार ओंकारात्मक आदिम वेद त्रिपदा गायत्री, के रूप में परिणत हो गया। श्री ब्रह्मा जी ने आगे चलकर यही ब्रह्मगायत्री विश्वा मित्र ऋषि के प्रति अभिव्यक्त की, इसलिये वैदिक-साहित्य में गायत्री के द्रष्टा ऋषि विश्वामित्र माने जाते हैं। यहीं वेद का दूसरा स्वरूप था।

**गायत्री से त्रिकाण्डात्मक वेद**- जिस प्रकार ?कार के प्रत्येक वर्ण का व्याख्यान गायत्री का एक 2 पाद है, इसी प्रकार गायत्री के प्रत्येक पाद का व्याख्यान वेद का एक एक काण्ड है। अर्थात् कर्म, उपासना और ज्ञान नामक तीन काण्डों वाला वेद गायत्री का ही विकसित रूप है। इसलिये शास्त्रों में वेदत्रयी शब्द का यत्र-तत्र प्रयोग देखने में आता है, परन्तु जिस प्रकार त्रिवर्णात्मिक ?कार एक अक्षर है और त्रिपदा गायत्री भी एक ही मन्त्र है, इसी प्रकार आरम्भ में काण्डत्रयात्मक वेद भी एक ही था। इसे ही वेद का तीसरा स्वरूप कह सकते हैं, जो कि ब्रह्मा जी के प्रादुर्भाव काल से आरम्भ करके प्रथम व्यास के अवतार समय तक प्रचलित रहा ।

**गुरु-परम्पराश्रुत श्रुति**- सृष्टि के आरम्भ काल से लेकर प्रथम द्वापर की समाप्ति तक उक्त वेद किस परम्परा से चालू रहे यह रहस्य निरुक्तकार यास्काचार्य से इस प्रकार प्रकट किया है-

**क्रमशः ...**

# करोड़ों लोगों के रोल मॉडल हैं मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

**ब्रह्मानंद राजपूत**

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम के धनुषकोडी गाँव में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में हुआ। डॉ. कलाम की प्रसिद्धि, महानता, युवा सोच और आजीवन शिक्षक की भूमिका में रहने की वजह से सयुक्त राष्ट्र संघ ने उनके सम्मान में सन् 2010 में उनके जन्मदिवस 15 अक्टूबर को विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। डॉ. कलाम बच्चों से बहुत प्यार करते थे। स्कूली बच्चों को उनके जीवन से प्रेरणा मिले, इसी उद्देश्य से उनके जन्मदिन को विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में सयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मनाने का निर्णय लिया गया था।

भारत माँ के सपूत, मिसाइल मैन, राष्ट्र पुरुष, राष्ट्र मार्गदर्शक, महान वैज्ञानिक, महान दार्शनिक, सच्चे देशभक्त ना जाने कितनी उपाधियों से पुकार जाता था भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को वो सही मायने में भारत रत्न थे। इन सबसे भी बढ़कर डॉ. अब्दुल कलाम एक अच्छे इंसान थे। जिन्होंने जमीन से जुड़े रहकर "जनता के राष्ट्रपति" के रूप में लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनायी थी। एक ऐसे इंसान जो बच्चे, युवाओं, बुजुर्गों सभी के बीच में लोकप्रिय थे। देश का हर युवा, बच्चा उन्हें अपना आदर्श मानता था, देश का हर युवा डॉ. कलाम बनना चाहता था। आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रत्येक वैज्ञानिक, इंजीनियर और तकनीशियन भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को अपना आदर्श मानते है तभी

वो डॉ. कलाम जैसे महान वैज्ञानिक के आदर्शों और पद-चिन्हों पर चलकर चंद्रयान-2 का सफल प्रक्षेपण कर पाए। डॉ. कलाम का जीवन हमेशा प्रेरणा देने वाला रहा है। डॉ. कलाम ने इसरो को नयी ऊंचाइयों तक पहुँचाया साथ ही साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को आधुनिक तकनीकों से भी परिचित कराया, तभी आज भारत का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसिओं में अग्रणी भूमिका में खड़ा है। आज भारत देश कम खर्चे पर अच्छे-अच्छे अंतरिक्ष अभियानों को सफलतम अंजाम दे रहा है। आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धियां देखकर मिसाइलमैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पवित्र आत्मा स्वर्ग में बैठकर बहुत प्रसन्न हो रही होगी।

डॉ. कलाम ने 1958 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद डॉ. कलाम ने हावरक्राफ्ट परियोजना पर काम करने के लिये भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान (डीआरडीओ) में प्रवेश लिया। इसके बाद डॉ. अब्दुल कलाम 1962 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में आये जहाँ उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, सूझबूझ और आसमान छू लेने वाली लग्न और स्वप्न ने सफलतापूर्वक कई उपग्रह प्रक्षेपण परियोजनाओं में अपनी महत्ती भूमिका निभाई। डॉ. कलाम के बतौर परियोजना निदेशक रहते देश का पहला स्वदेशी उपग्रह एसएलवी-3 जुलाई 1980 को लांच किया था।

# पाक में लगातार हिंसा से शंघाई बैठक पर संकट?

**राजेश बादल**

पाकिस्तान में कराची के जिन्ना अंतराष्ट्रीय विमानतल पर विस्फोट में दो चीनी नागरिकों की मौत और कुछ विदेशियों के घायल होने से सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने इन धमाकों की जिम्मेदारी ली है। यह संगठन पाकिस्तान में चीन के लगातार बढ़ते दखल का विरोध करता आ रहा है। चीन ने शहबाज सरकार से इस आतंकवादी घटना पर सख्त एतराज प्रकट किया है। उसने अफसोस जताया है कि पाकिस्तान में उसके नागरिक बड़ी संख्या में उग्रवादी संगठनों का निशाना बन रहे हैं और मुल्क की हुकूमत उसे रोकने में नाकामयाब रही है।

ऐसे में अगले सप्ताह इस्लामाबाद में होने जा रही शंघाई सहयोग परिषद की बैठक पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों के आंदोलन ने पहले ही सरकार और सेना की नाक में दम कर रखा है। शहबाज सरकार अपने गठन के बाद पहली बार इतने बड़े स्तर पर परेशानियों का सामना कर रही है। शंघाई सहयोग परिषद की बैठक से इस बार पाकिस्तान ने बड़ी उम्मीदें पाल रखी हैं। आतंकवादी हिंसा से उन्हें झटका लगा है। आगे बढ़ने से पहले एक बार शंघाई सहयोग परिषद के सफर पर एक नजर जरूरी है। शंघाई सहयोग परिषद का गठन 26 अप्रैल 1996 को हुआ था। सदस्य देशों के राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षात्मक हितों की रक्षा करना इस संगठन का मुख्य काम था। उस समय इसमें छह सदस्य रूस, चीन, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान किर्गिस्तान और

उज्बेकिस्तान शामिल थे। नौ जून 2017 को इस संगठन में भारत और पाकिस्तान को भी बाकायदा शामिल किया गया। खास बात यह है कि क्षेत्रफल और आबादी के हिसाब से यह संसार का सबसे बड़ा संगठन है। विश्व की करीब चालीस फीसदी जनसंख्या इसके सदस्य देशों में रहती है।

चीन के बीजिंग में इसका मुख्यालय है। जुलाई 2005 में भारत, ईरान, मंगोलिया और पाकिस्तान ने पहली बार पर्यवेक्षक के तौर पर इस संगठन की बैठक में हिस्सा लिया था। उल्लेखनीय यह है कि ईरान का आवेदन लंबित रहा और अठारह साल की लंबी प्रतीक्षा के बाद ईरान को 2023 में शंघाई सहयोग संगठन का विधिवत सदस्य बना लिया गया।

इस साल बेलारूस को भी संगठन में एक सीट मिल गई। लौटते हैं अंतराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर 15-16 अक्तूबर को होने जा रही शंघाई सहयोग परिषद के शासन अध्यक्षों की बैठक पर। भारत के विदेश मंत्री इसमें प्रधानमंत्री का प्रतिनिधित्व करेंगे। यूक्रेन और रूस दो बरस से भी अधिक समय से जंग में उलझे हैं। ईरान और इजराइल के बीच जंग जैसे ही हालात बन गए हैं।

फिलहाल रूस और ईरान दोनों ही अपने-अपने स्तर पर लड़ाई लड़ रहे हैं जबकि यूक्रेन को रूस के खिलाफ नाटो देशों और अमेरिका का समर्थन मिल रहा है। यद्यपि वह नाटो का सदस्य नहीं है। इसी तरह ईरान इजराइली हमले का सामना कर रहा है और फिलहाल अमेरिका ईरान के खिलाफ है। उसने ईरान पर अनेक प्रतिबंध लागू किए हैं।

इस्लामाबाद शिखर बैठक में रूस और ईरान की परिस्थितियों को देखते हुए क्या शंघाई सहयोग परिषद के सदस्य देश एकजुट होंगे? यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपियन यूनियन के वैदेशिक प्रकोष्ठ ने 2022 में शंघाई सहयोग परिषद को नाटो विरोधी संगठन बताया था।

इसके बाद पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र ने एक ऐसे प्रस्ताव को मंजूरी दी, जो संयुक्त राष्ट्र और शंघाई सहयोग परिषद के बीच सहयोग स्थापित करने का समर्थन करता था। इससे अमेरिका भड़क गया। मतदान की नौबत आ गई। उसमें शंघाई सहयोग संगठन के पक्ष में 80 मत और विरोध में केवल 2 मत पड़े, जो कि अमेरिका और इजराइल के थे। शेष 47 सदस्यों ने मतदान में हिस्सा ही नहीं लिया। इससे अमेरिका बौखलाया हुआ है। अमेरिका की इस संगठन से दूरी का एक कारण यह भी है कि उसने भी शंघाई सहयोग संगठन का पर्यवेक्षक देश बनना चाहा था और अपना आवेदन लगाया था। लेकिन शंघाई सहयोग संगठन ने 2005 में ही उसे खारिज कर दिया था। उसके क्रोध का एक कारण यह भी है। इस तरह की पृष्ठभूमि में देखें तो शंघाई सहयोग परिषद और नाटो आमने-सामने दिखाई देते हैं। पर दोनों संगठनों में अंतर्विरोध भी कम नहीं हैं।

मसलन भारत के चीन और पाकिस्तान के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं हैं और अमेरिका से यदि बहुत मधुर नहीं तो खराब भी नहीं हैं। यही हाल ईरान का है। भारत के ईरान से अच्छे रिश्ते माने जा सकते हैं।

मगर ईरान और पाकिस्तान के संबंध बिगड़े हुए हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट के मामले में पाकिस्तान हमेशा ईरान और भारत पर आरोप लगाता रहा है। पाकिस्तान में ताजा हिंसक दौर को सिर्फ स्थानीय आतंकवादी वारदात मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। शंघाई सहयोग परिषद की बैठक से पहले परदे के पीछे जो चल रहा है, उसकी उपेक्षा भी नहीं की जा सकती।

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर का शंघाई सहयोग परिषद की बैठक से पहले कथन एक तरह से सही है कि भारत के बैठक में भाग लेने को पाकिस्तान के साथ संबंधों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। वे स्पष्ट कह चुके हैं कि भारत अपने हितों की बलि क्यों कर चढ़ाएगा? यह यात्रा एक तरह से उनकी विवशता भरी यात्रा है।

पाकिस्तान से फिलहाल संबंध सुधरने का कोई संकेत नहीं दिखाई देता और यह भी तय है कि पाकिस्तान और भारत इस बैठक में भी किसी मसले पर एक साथ खड़े नहीं दिखाई देंगे। संभव है कि शंघाई सहयोग परिषद के एजेंडे में वैश्विक तनाव के मुद्दे को स्थान नहीं मिले, मगर यह निश्चित है कि रूस-ईरान और अमेरिका की वर्तमान स्थिति मुद्दा बनी रहेगी। परदे के पीछे तो बात होनी ही है। चीन इस बैठक में अनमने ढंग से भाग लेगा, क्योंकि संगठन का जनक होते हुए भी उसे कोई लाभ नहीं मिलने वाला है।

## आज का इतिहास

1923 वर्ष का पांचवा उष्णकटिबंधीय तूफान लीवर्ड द्वीप के उत्तर में आया।

1924 अमेरिकी राष्ट्रपति काल्विन कूलीड्ज ने स्टेच्यु ऑफ लिबर्टी को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया।

1925 दांगडामुन स्टेडियम सियोल शहर के कोरिया में खोला गया।

1932 टाटा एयरलाइंस ने आज अपनी पहली उड़ान भरी।

1938 न्यूजीलैंड के एक आम चुनाव में गवर्निंग लेबर पार्टी फिर से निर्वाचित हुई।

1945 विएरी फ्रांस की सरकार के दो बार प्रमुख पियरे लावल को उच्च राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

1953 ब्रिटिश परमाणु परीक्षण टोटेम 1 को दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के एमु फील्ड में विस्फोट किया गया।

1954 तूफान हेज़ेल ने कनाडा के टोरंटो से उत्तर में जाने से पहले यूनाइटेड स्टेट्स के कैरोलिनास में उसी दिन बाद में लैंडफाल बना लिया, जिससे दोनों देशों में कुल 176 लोगों की मौत हो गई।

1965 वियतनाम युद्ध का विरोध-द कैथोलिक वर्कर मूवमेंट ने मैनहट्टन में अनंत-युद्ध रैली का मंचन किया, जिसमें मसौदा कार्डों को जलाना, इस तरह के कृत्य को रोकने के लिए नए कानून में संशोधन के तहत गिरफ्तारी का परिणाम शामिल है।

1970 मेलबोर्न में वेस्ट गेट ब्रिज का एक हिस्सा ढह जाने के कारण पैंतीस निर्माण श्रमिक मारे गए।

1973 आइसलैंड के विदेश सचिव ने घोषणा की है कि चल रहे विवाद को निपटाने के प्रयास में अक्टूबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में वर्तमान कॉड युद्ध में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ आइसलैंड यह मामला ले रहा है।

1978 सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान क्षेत्र में परमाणु परीक्षण किया।

1980 जेम्स कैलाघन ने ब्रिटिश लेबर पार्टी के नेता के रूप में अपना इस्तीफा दिया।

1987 फिजी द्वीपों के 113 साल के ब्रिटिश क्राउन शासन के अंत में एक गणतंत्र बन गया।

# मुख्यमंत्री बनकर भी अब पहले जैसा नहीं होगा उमर का रुतबा

**कृष्णमोहन झा**

हाल ही में संपन्न हुए जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनावों में 42 सीटें जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी नेशनल कांफ्रेंस के नवनिर्वाचित विधायकों ने आज अपनी बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से अपना नेता चुन लिया। उन्हें सहयोगी दल कांग्रेस के 6 विधायकों के साथ ही 4 निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है इस तरह अब उमर अब्दुल्ला का दूसरी बार मुख्य मंत्री बनना तय हो गया है। लेकिन दूसरी बार मुख्यमंत्री बनकर भी अब उनका रुतबा पहले जैसा नहीं होगा।

उमर अब्दुल्ला 2009 में जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तब जम्मू-कश्मीर एक पूर्ण राज्य था। 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावीकरण के जरिए जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। इसलिए उमर अब्दुल्ला अब एक केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री कहलाएंगे जिसकी महत्वपूर्ण शक्तियां अब उपराज्यपाल को हस्तांतरित कर दी गई हैं।

इसलिए उनकी स्थिति भी दिल्ली प्रदेश के मुख्यमंत्री जैसी ही होगी। बहुत से महत्वपूर्ण विषयों पर उनकी सरकार स्वतंत्र फैसले नहीं ले सकेगी । उनकी सरकार के महत्वपूर्ण फैसले उपराज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद ही लागू किए जा सकेंगे। ऐसी स्थिति में इस आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता कि जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के अधिकारों में यह कटौती आगे चलकर? दिल्ली की भांति उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच टकराव की स्थिति पैदा करती रहेगी।

हो सकता है कि अरविंद केजरीवाल और उमर अब्दुल्ला की कार्यशैली में भिन्नता होने के कारण उपराज्यपाल के साथ उनके संबंधों में वैसी कड़वाहट देखने को न मिले जो दिल्ली में जब तब देखी जा सकती है लेकिन मुख्यमंत्री के अधिकारों में कटौती का मलाल तो उमर अब्दुल्ला को हमेशा सताता रहेगा । उमर अब्दुल्ला दिल्ली से जम्मू-कश्मीर की तुलना को उचित नहीं मानते। उनका कहना है कि दिल्ली को कभी भी पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त नहीं था जबकि जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया है। राज्य विधानसभा के चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में ही उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि नेशनल कांफ्रेंस के नेतृत्व में गठित होने वाली नयी सरकार नवनिर्वाचित विधानसभा में सबसे पहले यही प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजेगी कि जल्द से जल्द जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। उन्हें हमेशा उपराज्यपाल और केंद्र सरकार से तालमेल बनाकर सरकार चलाने की चुनौती का सामना करना होगा वैसे वे खुद भी मानते हैं कि उपराज्यपाल और केंद्र से तालमेल बना कर चलने से राज्य की विकास यात्रा को जारी रखना संभव हो पाएगा।

डेढ़ दशक पूर्व जब उमर अब्दुल्ला पहली बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे थे तो वे राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री होने का गौरव अर्जित किया था और जम्मू कश्मीर की जनता ने उनसे बहुत उम्मीदें लगा रखी थीं। शुरू में उन्होंने शिक्षा और रोजगार के मामलों में कुछ अच्छे कदम भी उठाए परंतु एक साल बाद ही राज्य में अलगाववाद के पनपने पर उनकी मुश्किलें बढ़ती गई। अलगाववाद की इस कठिन चुनौती से निपटने में उनकी असफलता से उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट आई और 2014 में संपन्न विधानसभा चुनावों में नेशनल कांफ्रेंस को सत्ता से बाहर होना पड़ा और राज्य में पहली बार पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन सत्ता पर काबिज हुआ। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मुखिया मुफ्ती मोहम्मद सईद उस गठबन्धन सरकार के मुख्य मंत्री बने।

मुफ्ती मोहम्मद सईद के आकस्मिक निधन के बाद कुछ समय तक जम्मू-कश्मीर राष्ट्रपति शासन के आधीन रहा। फिर उनकी बेटी मेहबूबा मुफ्ती ने भाजपा और पीडीपी की गठबन्धन सरकार की मुख्यमंत्री बनीं लेकिन उनके कार्यकाल में भाजपा और पीडीपी के संबंध कभी मधुर नहीं रहे । मेहबूबा मुफ्ती के ऊपर आतंकवादियों और अलगाववादयों के साथ नरमी से पेश आने के आरोप भी लगे और अंततः भाजपा ने मेहबूबा मुफ्ती सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। राज्य में एक बार फिर राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। 5 2019 को सरकार ने संसद में वह ऐतिहासिकर्ि बल पेश किया जिसमें जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का प्रावधान था। केंद्र की मोदी सरकार के इस कदम की देश भर में सराहना हुई। इसी के साथ जम्मू-कश्मीर भी एक केंद्र शासित प्रदेश बन गया।

जम्मू कश्मीर में दस साल बाद विधानसभा के चुनाव कराये गये हैं लेकिन केंद्र शासित प्रदेश की इस विधानसभा में 90 निर्वाचित सदस्यों के अलावा 5 सदस्यों के मनोनयन का अधिकार उपराज्यपाल को दिया गया है। उमर अब्दुल्ला इसे उचित नहीं मानते। मुख्यमंत्री का कहना है कि इन सदस्यों के नाम उपराज्यपाल को राज्य सरकार की सलाह से तय करना चाहिए। उपराज्यपाल अगर अपनी मर्जी से यह नाम तय करते हैं तो विपक्ष में बैठना मनोनीत विधायकों की मजबूरी बन जाएगी ।

गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मेहबूबा मुफ्ती की पार्टी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी भी इस बार सदन के अंदर विपक्ष में बैठेगी जो 1999 में अपने गठन के बाद इस बार सबसे कम तीन सीटों पर सिमट कर रह गई है। नये सदन में आम आदमी पार्टी और सीपीएम ने भी एक एक सीट पर जीत हासिल की है । उमर अब्दुल्ला की सरकार को सीपीएम का भी समर्थन प्राप्त होगा क्योंकि वह इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि केंद्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू-कश्मीर की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के कितने दलों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।

# योगी ने हरियाणा में बदल दिये नतीजे तो पार्टी में बढ़ा कद

**संजय सक्सेना**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर बीजेपी के अंदर अपनी ताकत का अहसास करा दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी को लगातार तीसरी बार मिली जीत के हीरो बनकर उभरे हैं योगी। योगी ने हरियाणा में कुल 14 विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं की जिसमें से 09 सीटों पर बीजेपी को हासिल हुई। यह स्ट्राइक रेट 70 फीसदी के करीब बैठता है जबकि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कुल 08 जनसभाएं कि जिसमें से कांग्रेस को मात्र दो सीटों पर ही जीत हासिल हो पाई। बीजेपी की जीत में वोटिंग प्रतिशत का बढ़ना भी अहम रहा। कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव के समय हरियाणा में थोड़ी कमजोर नजर आ रही बीजेपी को सही मौके पर यहां के वोटरों ने बूस्टर डोज दे दी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में 48 सीट जीतकर भाजपा सत्ता बरकरार रखने में कामयाब हुई, जबकि कांग्रेस को 37 सीट पर जीत मिली है। खासकर योगी के बटोगे तो कटोगे वाले बयान ने भी योगी की जीत में अहम भूमिका निभाई। कहने का तात्पर्य यह है कि सीएम योगी एक बार फिर से बीजेपी के लिए ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में पांच क्षेत्रों में चुनाव प्रचार किया, जिसमें से चार सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की। इसी तरह उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार किया। राज्य की 14 विधानसभा सीटों पर वह चुनाव प्रचार करने गए, जिसमें से बीजेपी ने 9 सीटों पर जीत दर्ज की जो यह बताने के लिये काफी है कि हरियाणा में बीजेपी का हिन्दुत्व का कार्ड तो खूब चला, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस का संविधान बचाओं का ढोंग और हिन्दुओं को जातियों में बांट कर हिन्दू वोटों में डिवीजन की साजिश परवान नहीं चढ़ पाई। योगी ने हरियाणा में चार दिन और जम्मू-कश्मीर में दो दिन प्रचार किया। सीएम योगी ने 22 सितंबर को नरवाना, राई और असंध सीट पर चुनाव प्रचार किया।। इन तीनों ही सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इसके बाद 28 सितंबर को मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद, रादौर, जगाधरी और अटेली सीटों पर प्रचार किया इन सभी सीटों पर भी बीजेपी जीती है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 30 सितंबर को बवानी खेड़ा में चुनावी जनसभा की थी। इस सीट पर भी बीजेपी ने जीत दर्ज की है। तीन अक्टूबर को उन्होंने सफीदों में जनसभा की, यहां बीजेपी ने जीत दर्ज की है। अब अगर जम्मू-कश्मीर में उनके ट्रैक रिकॉर्ड पर ध्यान दें तो बिल्कुल ऐसा ही नजर आता है, जिन सीटों पर उन्होंने चुनाव प्रचार किया वहां बीजेपी का दबदबा रहा। योगी ने जम्मू कश्मीर के रामगढ़, आरएस पुरा दक्षिण, रामनगर और कठुआ में सभाएं की थीं। इन सभी सीटों पर बीजेपी के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है, ऐसे में देखा जाए तो सीएम योगी आदित्यनाथ एक बार फिर से बीजेपी का ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। उनका चुनाव के दौरान उनका जादू चलता नजर आया है। इस आधार पर कहा जा सकता है बीजेपी में योगी का कद काफी बढ़ गया है।

# महायुति में अजित फिट नहीं, आघाड़ी में उद्धव से नाराजगी

**गंगाधर ढोबले**

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है और इसकी बिसात कब की बिछ चुकी है। आरोप-प्रत्यारोप, दावे-प्रतिदावे, चुनौती-प्रति चुनौती, शह-मात का अभूतपूर्व दंगल बहुत पहले से चल रहा है। टक्कर केवल दो गठबंधनों में ही नहीं, बल्कि उनके घटक दलों में भी है। सीटों के बंटवारे को लेकर आपसी तनातनी है।

राज्य में दो गठबंधन हैं। एक महायुति कहलाता है, जिसका नेतृत्व भाजपा के पास है। इसमें मुख्यमंत्री शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी घटक दल हैं। दूसरा गठबंधन महाविकास आघाड़ी है, जिसका नेतृत्व कांग्रेस के हाथों में है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी इसके घटक दल हैं। भाजपा और शिंदे इसलिए अजित गुट से खफा हैं, क्योंकि वह लोकसभा चुनाव में महज एक ही सीट जीत पाया। उसके वोट भी भाजपा या शिंदे सेना को हस्तांतरित नहीं हुए।

एक तर्क यह भी है कि यदि अजित दादा स्वतंत्र रूप से लड़ें तो मराठों, दलितों और पिछड़े वर्गों के वोटों का विभाजन होने से नुकसान महाविकास आघाड़ी को होगा। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कबूल किया है कि अजित दादा के साथ गठबंधन को लेकर भाजपा के वोटर नाराज हैं, लेकिन यह मानना चाहिए कि राजनीति में कई समझौते मजबूरी में करने पड़ते हैं।

महाविकास आघाड़ी में भी उद्धव ठाकरे को लेकर ऐसे ही तर्क दिए जा रहे हैं। उद्धव सेना के वोट कांग्रेस या शरद पवार की एनसीपी को नहीं मिल रहे। उद्धव भी स्वतंत्र रूप से लड़ें तो वह शिंदे सेना के वोट काट सकते हैं। लेकिन, चुनाव सिर पर होने से उद्धव को हटाने की बात अब खत्म हुई लगती है। भाजपा या कांग्रेस का नेतृत्व अब किसी परिवर्तन का खतरा मोल लेने के पक्ष में दिखाई नहीं देता। एक सोच यह है कि अजित या उद्धव का अपने-अपने गठबंधन में बने रहना राजनीतिक संतुलन के लिए जरूरी है।

महाराष्ट्र में विधानसभा की कुल 288 सीटें हैं। बहुमत का जादुई आंकड़ा 145 है। किसी एक पार्टी के लिए यह संख्या पाना आज की घड़ी में तो मुश्किल दिखाई देता है। दोनों गठबंधनों में सीट बंटवारे पर बात चल रही है। बंटवारे का एक यह फॉर्म्युला तो तय लगता है कि वर्तमान में जो सीटें जिस दल के पास हैं, वे उसी के पास रहेंगी। ऐसी लगभग 200 सीटें हैं।

बाकी सीटें अन्य छोटे-छोटे दलों या निर्दलीयों के पास हैं। पेच इन्हीं पर है। साथ में, कुछ जगह ओवरलैपिंग हो रही है। ओवरलैपिंग का मतलब कि जो सीट गठबंधन के एक घटक दल के पास है, उसी पर दूसरा भी दावा ठोक रहा है। महायुति में सीट बंटवारे पर अस्थायी सहमति की खबरें हैं। इसके अनुसार, भाजपा को 155-160, शिंदे सेना को 80 से 85 और अजित दादा को 50 से 55 सीटें मिल सकती हैं। महाविकास आघाड़ी में सीटों के बंटवारे को लेकर कोई संख्या अभी सामने नहीं आई है।

राज्य के विभिन्न अंचलों में चुनावी रंग पल-पल बदलता नजर आ रहा है। मुंबई अंचल में विधानसभा की 36 सीटें हैं। 2019 का विधानसभा चुनाव भाजपा और एकीकृत शिवसेना ने संयुक्त रूप से लड़ा था। हाल में हुए लोकसभा चुनाव में इस अंचल में ठाकरे गुट का वर्चस्व कायम रहा और उसने 6 में से 3 सीटें जीतीं। एक सीट शिंदे सेना को मिली। भाजपा और कांग्रेस ने एक-एक सीट पर कब्जा जमाया। विधानसभा चुनाव में भी ठाकरे की शिवसेना के हावी रहने के प्राथमिक अनुमान हैं।

इस अंचल में ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले आते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां से भाजपा को 11, शिवसेना को 15, एनसीपी को 8 सीटें मिली थीं। इसी तरह, विदर्भ अंचल की 62 विधानसभा सीटों में से पिछली बार भाजपा-शिवसेना को सबसे अधिक 33 सीटें मिली थीं। 21 सीटें एनसीपी और कांग्रेस ने पाई थीं। हालांकि लोकसभा चुनाव में आघाड़ी को 7 और महायुति को केवल 3 सीट मिली। तब लगभग 35 विधानसभा क्षेत्रों में आघाड़ी आगे थी और 22 पर महायुति को बढ़त मिली।

इस रीजन में विधानसभा की 46 सीटें हैं। पिछले चुनाव में भाजपा ने 16 और शिवसेना ने 11 जीती थीं। शिवेसना और एनसीपी में टूट-फूट के बाद महायुति में 46 में से 39 विधायक हैं। लोकसभा चुनाव में मराठवाड़ा में भाजपा का सफाया हो गया। मराठा आरक्षण आंदोलन ने उसे झटका दिया है। उत्तर महाराष्ट्र में भी भाजपा को मराठा आरक्षण आंदोलन से मार पड़ी है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा उत्तर महाराष्ट्र की 35 में से 13 सीटों पर जीती थी। शिवसेना 6, एनसीपी 7 और कांग्रेस 5 पर विजयी रही। लेकिन, लोकसभा में 8 में से भाजपा को केवल एक सीट मिली। ठाकरे गुट ने सबसे अधिक तीन सीटें हासिल कीं।

पश्चिम महाराष्ट्र सहकारिता चीनी मिलों, शरद पवार और मराठों का गढ़ रहा है। इस अंचल में विधानसभा की 70 सीटें हैं। लोकसभा चुनाव में शरद पवार ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया था और माना जा रहा है कि विधानसभा में वह ट्रेंड कायम रह सकता है। कुल मिलाकर, यह चुनाव दिलचस्प रहने वाला है। इससे एकबारगी यह भी तय हो जाएगा कि शिंदे, ठाकरे या अजित पवार कहां होंगे। यह चुनाव देवेंद्र फडणवीस के लिए भी चुनौती है। वह राज्य में रहेंगे या केंद्र में जाएंगे, यह भी चुनाव नतीजों से तय हो सकता है।

# भाजपा फिर से अपने पैरों पर खड़ी हो गई

**जूलियो रिबैरो**

हाल ही में घोषित हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों से एक ही सीख मिलती है कि इस बार सभी जानकार राजनीतिक विश्लेषकों ने बड़े अंतर से गलत अनुमान लगाया है। इन पंडितों ने पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा को भारी जीत दिलाई थी। वे गलत साबित हुए। इस बार उन्हें यकीन था कि कांग्रेस हरियाणा में जीत दर्ज करेगी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए आर.एस.एस. कार्यकर्त्ताओं ने कड़ी मेहनत की। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के इस दावे को गलत साबित कर दिया कि पार्टी को उनके गुरु की मदद की जरूरत नहीं है। मतों के प्रतिशत के मामले में कांग्रेस ने भाजपा के प्रदर्शन की बराबरी की और 40 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि भाजपा को 41 प्रतिशत वोट मिले। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस का प्रदर्शन बिल्कुल भी प्रभावशाली नहीं रहा। वहां जीत का श्रेय पिता-पुत्र अब्दुल्ला परिवार को जाता है।

कांग्रेस-एन.सी.पी. गठबंधन द्वारा जीती गई 48 सीटों में से 42 पर नैशनल कांफ्रैंस ने कब्जा कर लिया। भाजपा ने 29 सीटें जीतीं, ये सभी जम्मू क्षेत्र से हैं, जिसे वह राज्य में अपने प्रभाव क्षेत्र के रूप में दावा कर सकती है। कांग्रेस की तुलना में भाजपा कहीं ज्यादा अनुशासित पार्टी है। कांग्रेस हमेशा से ही मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए अलग-अलग दावेदारों की आकांक्षाओं से उत्पन्न आंतरिक गुटीय युद्धों से पीड़ित रही है। यह उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाएं मौजूद हैं। विपक्ष को खत्म करने की अपनी बेचैनी में भाजपा ने अन्य पार्टियों से कई दलबदलुओं को शामिल किया है। यह ऐसा करना जारी रखती है। इन दलबदलुओं में से अधिकांश असंतुष्ट कांग्रेसी हैं। एक बड़ा हिस्सा इसलिए दलबदलू हो गया क्योंकि वे प्रवर्तन या जांच एजैंसियों के अवांछित ध्यान से डरते थे।

हरियाणा में भाजपा की जीत की यात्रा का एक पहलू मेरे जैसे गैर-राजनीतिक नागरिकों को परेशान करता है। भाजपा ने महिलाओं की सुरक्षा और मानवीय प्रयासों के अधिकांश क्षेत्रों में पुरुषों के बराबर उन्हें शामिल करने के लिए खुले तौर पर अपना समर्थन घोषित किया है। फिर भी, जब वह बलात्कार के दोषियों को अनुचित अवधि के लिए, विशेष रूप से चुनावों के दौरान पैरोल पर रिहा करती है, तो वह स्पष्ट रूप से छल और दोमुंहापन का मामला बनती है। मुझे नहीं पता कि इससे उसके वोटों पर कितना फर्क पड़ा, लेकिन अगर ऐसा हुआ भी तो यह 'साधनों को उचित ठहराने वाले साध्य' का स्पष्ट उदाहरण था। इस मामले में साध्य चुनावों में जीत थी। साधन में सभी संभावित बलात्कारियों को यह संदेश देना शामिल था कि जब तक आप उसे चुनाव जीतने में मदद करते हैं, तब तक 'आप' सत्ता की भूखी पार्टी से सौम्य व्यवहार की उम्मीद कर सकते हैं। भारतीय नारीत्व की सुरक्षा और सम्मान गौण है।

पिछले कुछ सालों में महिलाओं के अपमान के 2 अन्य मामलों में भी भाजपा ने अपनी मंशा साबित कर दी है। केसरगंज से भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह का मामला, जिन पर प्रसिद्ध महिला पहलवानों ने युवा, महत्वाकांक्षी महिला पहलवानों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया था, इसका एक उदाहरण है। गुजरात सरकार द्वारा बिलकिस बानो मामले में दोषी ठहराए गए 11 बलात्कारियों और हत्यारों को समय से पहले जेल से रिहा करने का एक और बेशर्मी भरा फैसला भी महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर भाजपा के दोहरे रवैये को साबित करता है। इस आलोचना के बाद, मैं हरियाणा में भाजपा की जीत के मामले पर वापस आता हूं। मैं कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग के आचरण में खामियां निकालने से सहमत नहीं हूं। यहां तक कि मोदी और अमित शाह ने भी लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी के आधे से ज्यादा मत प्राप्त न कर पाने पर हारे हुए लोगों की तरह प्रतिक्रिया नहीं की। राहुल और उनके साथियों को मतदाताओं के जनादेश को सहजता से स्वीकार करना चाहिए और कांग्रेस पार्टी को अगले महीने महाराष्ट्र राज्य में होने वाले बड़े परीक्षण के लिए तैयार करना चाहिए।

मेरे राज्य में भाजपा कार्यकर्त्ताओं को इस बात से बहुत बढ़ावा मिला कि उनकी पार्टी हरियाणा में जीत गई है। लेकिन महाराष्ट्र हिंदी भाषी राज्यों से अलग है। नवंबर में मतदान करने वाले महाराष्ट्र में भाजपा की स्थिति तब तक खराब रही जब तक गरीबी रेखा से नीचे की हर महिला को हर महीने 1,500 रुपए की 'लाडकी बहन' की मदद ने चुनावी परिदृश्य को बदल नहीं दिया। मुंबई में कई पर्यवेक्षकों को लगा कि इस मदद से लाभार्थी भाजपा के खेमे में चले जाएंगे। इसे स्वाभाविक माना जा सकता है। दुर्भाग्य से, अगस्त और सितंबर में खजाना खाली होने के कारण राजकोष यह पैसा नहीं भेज पाया।

यहां तक कि नितिन गडकरी जैसे समझदार और विवेकशील नेता ने भी खुलेआम आश्चर्य जताया कि यह पैसा कहां से आएगा। लेकिन मुंबई में भाजपा के एक अन्य स्थानीय नेता ने दावा किया कि अगस्त और सितंबर के लिए दिए जाने वाले अनुदान को अक्तूबर में मिलने वाले अनुदान में जोड़ दिया जाएगा और चुनाव से पहले लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दिया जाएगा, जिसकी तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है। असली गेम चेंजर मुफ्त चीजों का वादा है। उस वायदे पर इच्छित लाभार्थियों द्वारा भी सवाल उठाए जा रहे हैं। सरकार भुगतान करने में सक्षम नहीं है।

# कांग्रेस का अहंकार बनाम सबसे अनुभवी भाजपा कार्यकर्त्ता

**देवी एम. चेरियन**

हरियाणा में कांग्रेस की हार से पार्टी और उसके गठबंधन को नुकसान हुआ है। मैं हैरान हूं कि जो राज्य कांग्रेस की जेब में था, वह इतनी आसानी से और इतने बड़े अंतर से कैसे हार गया। यह सब राज्य के नेताओं के अहंकार के कारण हुआ, जो इस अभियान का अकेले नेतृत्व कर रहे थे। कांग्रेस ने अपने सभी अंडे एक टोकरी में डाल दिए, बिना यह महसूस किए कि राज्य के अन्य नेताओं को नाराज करने के परिणाम क्या होंगे। इस परिवार के अहंकार को नहीं समझा जा सका, जिसके कारण पूरी कांग्रेस पार्टी का पतन हुआ। अन्य लोगों को समायोजित न करना हाईकमान की एक बड़ी गलती थी। लेकिन कोई जमीनी काम नहीं था और सब कुछ युवा टीम पर छोड़ दिया गया था। मुझे बताया गया है कि सभी निर्णय युवा टीम और पुराने लोगों द्वारा लिए गए थे। हुड्डा को सभी निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया था। तो यह वास्तव में अहंकार बनाम सबसे अनुभवी भाजपा कार्यकर्त्ता था। वे भूल गए कि दूसरी ओर, भाजपा से जो व्यक्ति प्रभारी था, वह एक गंभीर नेता था, जो राडार के नीचे काम करता था, लेकिन जब उसे किसी राज्य का प्रभारी बनाया जाता था, तो वह परिणाम देता था। यह निश्चित रूप से पूरी भाजपा, संघ और जमीनी स्तर पर सामाजिक इंजीनियरिंग की कड़ी मेहनत और सभी को एक साथ लेकर एक टीम के रूप में काम करने का एक संयुक्त प्रयास था, जिसे भाजपा के अप्रत्याशित विजेता धर्मेंद्र प्रधान ने अंजाम दिया। आइए मैं आपको इस जादुई आदमी के बारे में कुछ जानकारी देती हूं। पहले ओडिशा अब हरियाणा में भाजपा की जीत के शिल्पकार बने धर्मेंद्र प्रधान = धर्मेंद्र प्रधान को भरोसा जीतना आता है। धर्मेंद्र मोदी के भरोसेमंद हैं जिनका हरियाणा चुनाव में विपक्ष के नरेटिव को ध्वस्त करने में अहम रोल रहा। धर्मेंद्र भाजपा के बड़े ओ.बी.सी. फेस हैं। प्रधान ने इससे पहले ओडिशा में लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में पार्टी को बड़ी जीत दिलाई। धर्मेंद्र संगठनात्मक कौशल के माहिर हैं और माइक्रो मैनेजमैंट के महारथी भी हैं। बिहार में भाजपा की जीत के माहिर रहे हैं। सोशल इंजीनियरिंग के एक्सपर्ट हैं। प्रधान मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में शिक्षा मंत्री हैं। इसके पहले भी मोदी सरकार-2 और मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वह बड़े पोर्टफोलियो के मंत्री रह चुके हैं। ओडिशा से आने वाले प्रधान का संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का अनुभव रहा है, वह विधायक, राज्यसभा सांसद और लोकसभा सांसद के रूप में अपने जनाधार और अपनी कुशल रणनीति के लिए जाने जाते हैं। प्रधान को उज्ज्वला मैन भी कहा जाता है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में पैट्रोलियम मंत्री रहते हुए उज्ज्वला योजना शुरू करने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। यह स्कीम मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। राज्यों पर नजर.. -2008 में छत्तीसगढ़ में पार्टी को जीत दिलाने में धर्मेंद्र की अहम भूमिका रही। -2010 में बिहार में भाजपा की सरकार बनी। -2012 में उत्तराखंड में भाजपा को 32 सीटों में जीत मिली। -2014 में बिहार में लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड प्रतिसाद। -2017 में उत्तराखंड विजय। -2019 में ओडिशा में लोकसभा में 8 सीटें जीती। -2022 में यू.पी. में भाजपा की जीत। -2023 में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में जीत। प्रधान ने ओडिशा में 2024 के विधानसभा चुनाव में नवीन पटनायक की 2 दशक की सरकार की विदाई कराई और पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत सरकार बना कर ओडिशा में इतिहास रच दिया! हरियाणा भाजपा की ऐतिहासिक जीत के शिल्पकार बने और ग्राऊंड पर कार्यकर्त्ताओं से रियल टाइम फीडबैक लिया और हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक के सबसे बड़े सूत्रधार बने! प्रधान ने ममता के गढ़ नंदीग्राम में ममता को हराया। पार्टी ने पश्चिम बंगाल में 2021 के चुनाव का भी काम सौंपा था। नंदीग्राम सीट की जिम्मेदारी धर्मेंद्र प्रधान के पास थी, इस सीट से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं अपना चुनाव हार गई थीं। नंदीग्राम सीट की रणनीति के अहम् सूत्रधार स्वयं धर्मेंद्र प्रधान थे! भाजपा के अनुभवी चुनाव रणनीतिकार प्रधान के कुशल प्रबंधन ने नंदीग्राम सीट की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में कांग्रेस की हार से राहुल गांधी को आत्मचिंतन का पर्याप्त कारण मिलेगा और उनका अहंकार और चीजों को हल्के में लेने की आदत भी खत्म हो जाएगी। उन्हें सहयोगियों का विश्वास जीतने और हर राज्य के हर नेता को साथ लेकर चलने की जरूरत है, दुख की बात है कि कांग्रेस ने अनुभवी संगठनात्मक कुशल लोगों को खो दिया है। केवल वे नेता ही बचे हैं जो मीडिया से बात करते समय इतने अहंकारी लगते हैं कि जनता चिढ़ जाती है और निश्चित रूप से हमने इसके परिणाम देखे हैं। कांग्रेस को अपने पत्ते बदलने चाहिएं, रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए और शायद उन नेताओं को वापस लाने की कोशिश करनी चाहिए जो अपने बहुत जूनियर सहयोगियों के असंतोषजनक और बुरे व्यवहार के कारण पार्टी छोड़कर चले गए हैं। भाजपा को इस सफलता के लिए सलाम और यह दिखाने के लिए कि एग्जिट पोल के राजनीतिक पंडित फ्लॉप सीन हैं।

# ...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

# सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

**धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।**

## थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

## बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

## जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

## बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरूम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहा धन की कमी होने लगती है।

# पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

## इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

## परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

# तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

# सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

**धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।**

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नही रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

# गोमेद
## एक खूबसूरत रत्न
### जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यो द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यो पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

## रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नम- मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

## किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

## कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

# पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

**घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।**

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार पर भाजपा का वार

**बेंगलूरू।** भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार पर निशाना साधा। दरअसल, खरगे के बेटे राहुल खरगे ने हाल ही में कर्नाटक उद्योग क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) को चिट्ठी लिखकर अपील की थी कि वह परिवार के ट्रस्ट को आवंटित की गई पांच एकड़ जमीन वापस ले ले। इसी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस और खरगे परिवार को घेरा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह जमीन लौटाना खरगे परिवार को उसके भ्रष्टाचार और शक्तियों के गलत इस्तेमाल के आरोपों से मुक्त नहीं कर देता। बल्कि यह उनके अपराध का कबूलनामा है। पूनावाला ने कहा, 5000 करोड़ के मुदा घोटाले, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सबसे पहले आरोपी और उनकी पत्नी दूसरे नंबर की आरोपी हैं, उसका खुलासा भाजपा ने किया था। सिद्धारमैया के परिवार ने भी जमीन लौटाकर आरोपों से भागने की कोशिश की थी।

## कांग्रेस का भाजपा और पीएम मोदी पर हमला

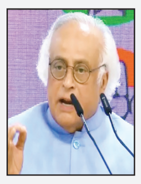

**नईदिल्ली।** कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार की तरफ से मेक इन इंडिया के शुरुआत के समय बताए गए सभी उद्देश्य जुमले साबित हुए हैं और मेक इन इंडिया अब फेक इन इंडिया बनकर रह गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि पिछले दशक में आर्थिक नीति निर्माण स्थिर, पूर्वानुमानित और समझदारी से कोसों दूर रहा है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा- जब नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने 2014 में अपने हर इवेंट की तरह बड़े धूम-धाम के साथ मेक इन इंडिया की घोषणा की थी, तब चार उद्देश्य निर्धारित किए गए थे। कांग्रेस नेता ने लिखा- पिछले दशक में हमारे देश का आर्थिक नीति निर्माण स्थिर, पूर्वानुमान एवं समझदारी से भरा (उदाहरण के लिए, नोटबंदी को याद कीजिए) नहीं रहा है। डर और अनिश्चितता के माहौल के कारण निजी निवेश में वृद्धि बाधित हुई है।

## जम्मू कश्मीर के लिए चिदंबरम का सुझाव

**नईदिल्ली।** कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने एक्स पोस्ट में कहा कि नई जम्मू-कश्मीर सरकार के सामने पहला काम राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करना होना चाहिए। उन्होंने इंडिया ब्लॉक पार्टियों से भी मांग का समर्थन करने का आग्रह किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर केंद्र नहीं मानता है तो उन्हें कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया था। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव नतीजों के बाद और नई सरकार के कार्यभार संभालने से कुछ दिन पहले, जम्मू-कश्मीर के एलजी ने शक्तियां अपने पास ले ली हैं, जो लोगों के फैसले का मजाक है। चिदंबरम ने कहा कि नई सरकार का पहला काम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करना चाहिए और भारत की सभी पार्टियों को इस मांग का समर्थन करना चाहिए।

## कांग्रेस के आरोपों पर नायब सैनी का पलटवार

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दूसरी बार सत्ता संभालने से पहले प्रतिष्ठित कामाख्या मंदिर में अपनी पहली यात्रा की, सोमवार को मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने ईवीएम को लेकर कांग्रेस द्वारा लागाए जा रहे आरोपों पर भी पलटवार किया है। कांग्रेस पर वार करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि उनकी परंपरा रही है कि जब उन्हें कोई सफलता नहीं मिलती है तो वे ईवीएम पर सवाल उठाते हैं। लेकिन हरियाणा में पीएम मोदी की नीतियों की जीत हुई है, कांग्रेस का झूठ हार गया है। नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि देश में मोदी की गारंटी काम कर रही है और प्रदेश को मोदी की गारंटी पर भरोसा है और हमारा भारत पिछले 10 वर्षों में तेजी से आगे बढ़ा है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बहुत लोकप्रिय नेता हैं और वह असम के विकास के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। असम के लोगों के लिए वह जो काम कर रहे हैं, उसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं।

## हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस में खलबली

**चंडीगढ़।** हरियाणा चुनाव में हार के बाद राज्य में कांग्रेस के प्रभारी महासचिव दीपक बाबरिया ने सोमवार को कांग्रेस नेतृत्व से इस्तीफे की पेशकश की। गौरतलब है कि उन्होंने हरियाणा में चुनावी हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफे की पेशकश की थी। दीपक बाबरिया ने पार्टी नेतृत्व से उनकी जगह किसी नये व्यक्ति को जिम्मेदारी देने की मांग की। रिपोर्ट्स की मानें तो दीपक बाबरिया ने राहुल गांधी से कहा कि अब अगर किसी और को हरियाणा का प्रभारी बनाया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी तबीयत खराब हो गई थी. हालाँकि, उनकी तबीयत अब ठीक है, लेकिन कभी-कभी बिगड़ जाती है। दीपक बाबरिया कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के करीबी माने जाते हैं और पार्टी के जमीनी नेता हैं। जब कांग्रेस ने कर्नाटक में चुनाव जीता तो पार्टी ने उन्हें विधायक दल का नेता चुनने के लिए भेजा था।

### उत्तरप्रदेश उपचुनाव को लेकर भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने बना ली रणनीति

# सभी 10 सीटें जीतने के लिए भाजपा झोंकेगी पूरी ताकत

**नईदिल्ली।** हरियाणा विधानसभा चुनावों में जीत से उत्साहित भाजपा का ध्यान अब उत्तर प्रदेश पर लग गया है। लोकसभा चुनावों में भाजपा को सर्वाधिक नुकसान उत्तर प्रदेश में ही उठाना पड़ा था इसलिए पार्टी अब राज्य में जल्द ही 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में कोई गलती नहीं करना चाहती। हम आपको बता दें कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश नेतृत्व के साथ बैठक कर सभी 10 की 10 सीटों पर जीत की रणनीति बनाई है और इस संबंध में पार्टी के नेताओं को जिम्मेदारियां बांट दी गयी हैं। दशहरा पर्व के एक दिन बाद रविवार को नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने एक अहम बैठक बुलाई थी जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक, यूपी भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, यूपी भाजपा के महासचिव (संगठन) धर्मपाल सिंह तथा अन्य वरिष्ठ नेता सम्मिलित हुए। बैठक में सभी नेताओं को मिलकर काम करने की हिदायत दी गयी है।

बताया जा रहा है कि बैठक में 10 विधानसभा सीटों में से कुछ सीटें सहयोगी दलों के लिए छोड़ने पर भी चर्चा हुई है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। बताया जा रहा है कि एक सीट आरएलडी (मीरापुर) और एक सीट निषाद पार्टी (मझवा) को दी जा सकती है। यह भी बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व आरएलडी और निषाद पार्टी से बात कर गठबंधन पर फैसला लेगा। उपचुनावों की तैयारी के लिए भाजपा ने अपने सभी बूथ अध्यक्षों को कई दिशानिर्देश जारी किये हैं। इसके अलावा सभी सीटों पर प्रवासी कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारियां दी गयी हैं। पार्टी के विभिन्न विभागों के प्रभारियों के साथ बैठक कर भी उपचुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया गया है। यह भी बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री, भाजपा अध्यक्ष तथा कई अन्य बड़े नेता आगामी दिनों में उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे।

देखा जाये तो उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव भाजपा के साथ-साथ विपक्षी दलों के लिए भी अहम हैं। भाजपा उत्तर प्रदेश में अपनी जीत की लय फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक है हालांकि उम्मीदवारों की घोषणा

के मामले में समाजवादी पार्टी ने बाजी मारते हुए दस में से छह सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और कहा है कि वह कांग्रेस के साथ मिलकर उपचुनाव लड़ेगी। हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2019 के लोकसभा चुनाव में जीती 62 सीटों की तुलना में इस बार केवल 33 सीटें ही जीत सकी थी। जबकि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर छह सीटों पर जीत हासिल की।

उत्तर प्रदेश की जिन 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें कटेहरी (अंबेडकर नगर), करहल (मैनपुरी), मिल्कीपुर (अयोध्या), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) शामिल हैं। हम आपको बता दें कि इनमें से नौ सीट वर्ष 2022 में उन पर निर्वाचित हुए विधायकों के इस साल लोकसभा चुनाव में सांसद चुने जाने के बाद खाली हुई हैं। साल 2022 के विधानसभा चुनाव में सीसामऊ, कटेहरी, करहल, मिल्कीपुर और कुंदरकी सीट पर सपा ने कब्जा किया था, जबकि फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। मीरापुर सीट राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के खाते में गई थी, जो उस समय सपा की सहयोगी थी।

## उत्तरप्रदेश उपचुनाव : भाजपा को आंख दिखा रहे संजय निषाद! राष्ट्रीय लोक दल के खाते में जा सकता है एक सीट

**लखनऊ।** भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में आगामी उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने और एनडीए सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे के फॉर्मूले पर चर्चा करने के लिए सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करने के लिए तैयार है। पार्टी ने नौ सीटों के लिए 27 संभावित उम्मीदवारों का एक पैनल तैयार किया है और अंतिम मंजूरी जल्द ही मिलने की संभावना है। भगवा पार्टी ने जहां राष्ट्रीय लोक दल के लिए एक सीट छोड़ी है, वहीं निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद ने कटेहरी और मझवां सीटों से चुनाव लड़ने की मांग की है। निषाद ने खुलेआम पार्टी की ओर से दो सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी लेकिन बीजेपी आलाकमान ने साफ संकेत दिया है कि वह मंझवा सीट देंगे लेकिन इस शर्त पर कि मुकाबला बीजेपी के सिंबल पर लड़ा जाएगा। निषाद ने यह कहते हुए शर्त नहीं मानी कि पार्टी के चिह्न के बिना कार्यकर्ता लामबंद नहीं होंगे और दोनों सीटों पर पार्टी का अधिकार नहीं जताएंगे। उन्होंने कम से कम मंझवा सीट पर समझौता करने से इनकार करते हुए कहा कि अगर सीट नहीं मिलेगी तो गठबंधन में रहने का क्या मतलब है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरएलडी खेमे के साथ बीजेपी मीरापुर सीट छोड़ने को तैयार है, लेकिन आरएलडी की मांग के बावजूद वह खैर सीट छोड़ने को तैयार नहीं है। सोमवार की बैठक में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक और पार्टी के संगठन महासचिव धर्मपाल सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। भारत के चुनाव आयोग द्वारा अभी तक उपचुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की गई है और नवंबर में मतदान होने की उम्मीद है। इस बीच, समाजवादी पार्टी पहले ही 10 में से छह सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। तेज प्रताप यादव को करहल से, नसीम सोलंकी को सीसामऊ से, अजीत प्रसाद को मिल्कीपुर से, मुस्तफा सिद्दीकी को फूलपुर से, शोभावती वर्मा को कटेहरी से और डॉ. ज्योति बिंद को मझवां से मैदान में उतारा गया है। बाकी चार सीटें सहयोगी दल कांग्रेस के लिए छोड़ी गई हैं।

# जम्मू-कश्मीर में 6 साल बाद हटा राष्ट्रपति शासन

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन हटा दिया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) के इस फैसले के साथ ही आधिकारिक तौर पर केंद्र शासित प्रदेश में सरकार गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि 'भारत के संविधान के अनुच्छेद 239 और 239ए के साथ पठित जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 73 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में 31 अक्टूबर 2019 का आदेश, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 54 के तहत मुख्यमंत्री की नियुक्ति से तुरंत पहले निरस्त किया जाता है।

नवनिर्वाचित सरकार को शपथ लेने की अनुमति देने के लिए यूटी में राष्ट्रपति शासन को रद्द करने की आवश्यकता थी। गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 73 के आधार पर एक राष्ट्रपति आदेश लागू किया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव जीता और सरकार बनाने के लिए तैयार है। एनसी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला, जिन्हें गठबंधन के नेता के रूप में चुना गया है, जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में औपचारिक रूप से विभाजित करने के बाद, 31 अक्टूबर, 2019 को जम्मू और कश्मीर में केंद्रीय शासन लगाया गया था। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 संसद द्वारा 5 अगस्त, 2019 को पारित किया गया था। संविधान का अनुच्छेद 370, जो पूर्ववर्ती राज्य को एक विशेष दर्जा देता था, को भी उस दिन निरस्त कर दिया गया था। 31 अक्टूबर, 2019 से पहले, तत्कालीन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के इस्तीफे के बाद जून 2017 से तत्कालीन राज्य में केंद्रीय शासन जारी था, जब भाजपा ने पीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था।

### जम्मू कश्मीर में राष्ट्रपति शासन का इतिहास

26 मार्च, 1977- तत्कालीन राज्यपाल एलके झा ने इस दिन राज्य में पहली बार राज्यपाल शासन लगाया था, जब कांग्रेस ने शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली अल्पमत सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। मार्च 1986- कांग्रेस ने जी.एम. शाह के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया, जिससे दूसरी बार राज्यपाल शासन लागू होने की स्थिति बन गई। जनवरी 1990- राज्यपाल शासन तब लगाया गया, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने जगमोहन को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया। अक्तूबर 2002- विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने से इनकार कर दिया। यह तब था, जब एन.एन. वोहरा ने पहली बार राज्यपाल का पद संभाला था। जून 2008- पीडीपी द्वारा गुलाम नबी आज़ाद के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद फिर से राज्यपाल शासन लगाया गया। जनवरी 2015- राज्य चुनावों में अपनी पार्टी को बहुमत न मिलने के कारण उमर अब्दुल्ला ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करना बंद कर दिया और राज्य में छठी बार राज्यपाल शासन लागू किया गया। 7 जनवरी, 2016- 7 जनवरी, 2016 को पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की मृत्यु के बाद सातवीं बार राज्यपाल शासन लगाया गया। 20 जून, 2018- वोहरा ने प्रशासन की बागडोर संभाली क्योंकि राज्य में महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी सरकार से भाजपा के समर्थन वापस लेने के फैसले के बाद राज्यपाल शासन लगाया गया था।

खेल
प्रमुख समाचार

## बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका

**नईदिल्ली।** बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। ग्रीन को अपनी रीढ़ की हड्डी की सर्चरी करानी होगी और पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह कम से कम 6 महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इसका मतलब है कि वह केवल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी ही नहीं बल्कि श्रीलंका दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वह इंडियन प्रीमियर लगी 2025 से भी बाहर हो सकते हैं।

एक बयान में, सीए ने कहा कि, फ्रैक्चर के बगल वाले हिस्से में कैम को दिक्कत है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह चोट का कारण बन रहा है। बयान में कहा गया कि, पूरी तरह से परामर्श के बाद यह तय किया गया कि दोष को स्थिर करने और भविष्य में फिर से होने के जोखिम को कम करने के लिए सर्जरी से कैमरन को फ़ायदा होगा।

इस बीच इंडिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम घोषित हो गई है। युवा खिलाड़ी सैम कोंस्टास इस महीने के आखिरी में इंडिया ए के खिलाफ होने वाले मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम में चुने गए हैं। इसके साथ ही वह टेस्ट टीम में चुने जाने की रेस में आ गए हैं। नेशनल सिलेक्शन पैनल ने सोमार को दो चार दिवसीय मुकाबलों के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की।

भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के मद्देनजर सीरीज अहम है। ग्रीन के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के टॉप 6 में जगह खाली है। ऑलराउंडर के उपलब्ध न होने पर स्टीव स्मिथ नंबर 4 पर खेलते दिख सकते हैं। उस्मान ख्वाजा को नया ओपनिंग पार्टनर मिल सकता है। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट स्मिथ को फिर से नंबर 4 पर खिलाने का विचार हो रहा है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 592 अंक चढ़ा तो निफ्टी 25 हजार के पार

**नईदिल्ली।** भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के पहले दिन यानी सोमवार को जोरदार उछाल दर्ज किया गया। पिछले सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन पर गिरने के बाद दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी आज चढ़कर बंद हुए। फाइनेंशियल और आईटी स्टॉक्स में तेजी के चलते बाजार में वृद्धि देखने को मिली। वहीं, निवेशक ब्याज दरों में संभावित कटौती का माहौल टटोलने के लिए घरेलू मुद्रास्फीति आंकड़ों पर नजर गड़ाए हुए हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ 81,576.93 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान 81,541 से 82,072.17 के बीच झूलने के बाद सेंसेक्स अंत में 0.73त्न या 591.69 अंक चढ़कर 81,973.05 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.66 प्रतिशत या 163.70 अंक का उछाल लेकर 25,127.95 अंक के लेवल पर बंद हुआ।

## धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीदने की होड़

**मुंबई।** बॉलीवुड के चर्चित निर्माता और निर्देशक करण जौहर का प्रोडक्शंन हाउस इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहा है। पिछले सप्ताह ही यह रिपोर्ट आई थी कि सारेगामा धर्मा प्रोडक्शंस में बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश कर रही है। अब, द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड भी धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। यदि यह डील अंतिम रूप लेती है, तो यह भारत के एंटरटेनमेंट सेक्टर में रिलायंस की स्थिति को और मजबूत करेगी, जो इसके मौजूदा संपत्तियों जैसे जिओ स्टूडियोज और वायकॉम18 स्टूडियोज को और बेहतर बनाएगी। हालांकि, सौदे के तहत कितनी हिस्सेदारी पर चर्चा हो रही है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। बिजनेस स्टैंडर्ड स्वतंत्र रूप से इस खबर की पुष्टि नहीं करता है।

## सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 1.84 प्रतिशत पर पहुंची

**नई दिल्ली।** खाद्य वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों के महंगे होने से थोक मूल्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 1.84 प्रतिशत हो गई। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.31 प्रतिशत थी। पिछले साल सितंबर में यह 0.07 प्रतिशत घटी थी। खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 11.53 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी। इसकी वजह सब्जियों की मुद्रास्फीति रही जो सितंबर में 48.73 प्रतिशत बढ़ी थी। अगस्त में यह 10.01 प्रतिशत घट गई थी। आलू और प्याज की मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमश: 78.13 प्रतिशत और 78.82 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर बनी रही। ईंधन और बिजली श्रेणी में सितंबर में 4.05 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई, जबकि अगस्त में 0.67 प्रतिशत की अपस्फीति हुई थी।

## सितंबर में घरेलू यात्री वाहन थोक बिक्री एक प्रतिशत घटी

**नईदिल्ली।** सितंबर में भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 3,56,752 यूनिट रह गई। सितंबर, 2023 में कंपनियों ने डीलर को कुल 3,61,717 गाड़ियां भेजी थीं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने एक बयान में कहा कि हालांकि, कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 20,25,993 यूनिट हो गई। पिछले साल सितंबर में यह 17,49,794 यूनिट थी। सियाम ने कहा कि कुल तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 79,683 यूनिट हो गई, जो सितंबर 2023 में 74,671 यूनिट थी।

# रतन टाटा : मानवता और कारोबार के संगम

**प्रो अश्विनी महाजन**

लोगों को साथ लेकर चलने के सिद्धांत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके एक वाक्य से स्पष्ट होती है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'अगर आप तेज चलना चाहते हैं, तो अकेले चलें। लेकिन अगर आप दूर चलना चाहते हैं, तो साथ-साथ चलें।' हालांकि वे देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के मुखिया थे, लेकिन जो भी उनसे मिलता था, उन्होंने कभी भी यह अहसास नहीं होने दिया। वे हमेशा से विनम्रता की एक मिसाल के रूप में जाने जाते रहे हैं.

भारत और दुनिया के सबसे महान उद्योग नेताओं में से एक पद्म विभूषण रतन नवल टाटा का दुखद निधन केवल उद्योग जगत के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए बड़ी क्षति है। आजादी से पहले टाटा समूह के संस्थापक जमशेद जी टाटा ने देश में सबसे बड़े स्टील उद्योग की नींव रखी, जिसे आज हम टाटा स्टील के नाम से जानते हैं। जमशेद जी ने भारत के आम लोगों से एक-एक रुपया इक्विटी पूंजी के रूप में इकट्ठा किया और उससे इस बड़ी स्टील कंपनी को स्थापित कर यह दिखा दिया कि देशभक्त भारतीयों द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। रतन टाटा का जीवन एवं व्यक्तित्व न केवल हमारे देश के, बल्कि पूरे विश्व के उभरते उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उल्लेखनीय है कि लाभ कभी भी टाटा समूह का एकमात्र उद्देश्य नहीं रहा है और रतन टाटा के दूरदर्शी नेतृत्व में श्रमिकों, गरीबों और दलितों की देखभाल करना हमेशा समूह का मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है। अपने दृढ़ निश्चय और प्रतिबद्धता के साथ वे स्टील, ऑटोमोबाइल और विमानन सहित टाटा समूह के विभिन्न व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर ले गये।

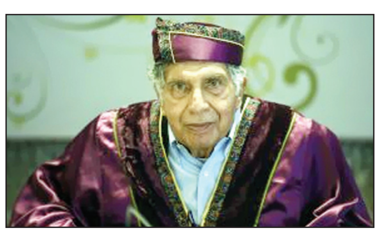

उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने हमेशा ही भारत को गौरवान्वित किया। टाटा समूह को अन्य व्यावसायिक घरानों से जो बात अलग बनाती है, वह यह है कि रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह हमेशा से ही मजदूरों, लोगों और खासकर गरीबों के पक्ष में रहा है। उन्होंने एक बार कहा था कि जब उन्होंने भारी बारिश में बस का इंतजार कर रहे एक गरीब परिवार को देखा, तो उनके दिमाग में एक ऐसी छोटी कार बनाने का विचार आया, जो आम आदमी के लिए सस्ती हो। उन्होंने इस विचार को साकार करते हुए दुनिया की सबसे सस्ती और किफायती कार बनाने का कार्य पूरा किया। जहां उनकी व्यावसायिक सोच में आम आदमी और श्रमिक के प्रति संवेदनशीलता दिखाई देती है, वहीं उनके व्यवहार में सदैव देश के प्रति अथाह प्रेम भी झलकता है। उनके बारे में एक किस्सा प्रसिद्ध है कि पाकिस्तान द्वारा भेजे गये आतंकवादियों द्वारा मुंबई के ताज होटल पर हमला करने के कुछ दिन बाद पाकिस्तान के कुछ उद्योगपति उनसे मिलने के लिए भारत आये, लेकिन रतन टाटा ने उनसे मिलने से मना कर दिया। ऐसी स्थिति में जब भारत सरकार के एक तत्कालीन मंत्री ने उनसे वह मुलाकात करने के लिए आग्रह किया, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से यह कह दिया कि आप लज्जाहीन हो सकते हैं, लेकिन मैं नहीं। जब-जब देश पर आपत्ति आयी, रतन टाटा ने दिल खोलकर योगदान दिया। हाल में कोरोना महामारी के दौरान रतन टाटा ने न केवल 500 करोड़ रुपये का योगदान दिया, बल्कि इसके अलावा टाटा समूह ने कुल 1500 करोड़ रुपये का कुल योगदान कोविड संकट के दौरान दिया। यह राशि देश के किसी भी व्यावसायिक समूह के योगदान से अधिक थी।

लोगों को साथ लेकर चलने के सिद्धांत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके एक वाक्य से स्पष्ट होती है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'अगर आप तेज चलना चाहते हैं, तो अकेले चलें। लेकिन अगर आप दूर चलना चाहते हैं, तो साथ-साथ चलें।' हालांकि वे देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के मुखिया थे, लेकिन जो भी उनसे मिलता था, उन्होंने कभी भी यह अहसास नहीं होने दिया। वे हमेशा से विनम्रता की एक मिसाल के रूप में जाने जाते रहे हैं। उन्होंने जब टाटा समूह का नेतृत्व संभाला, तो उस समय अन्य औद्योगिक समूह विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार कर रहे थे।

# समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का की खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 31 अक्टूबर तक

**रायपुर।** खरीफ विपणन 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान और मक्का की खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन एक जुलाई से चल रहा है, जो 31 अक्टूबर तक चलेगा। पंजीयन के लिए सभी किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, सहकारी समिति प्रबंधक से संपर्क कर नया पंजीयन करा सकते हैं।

खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार खरीफ विपणन 2024-25 में नया पंजीयन, फसल, रकबा संशोधन एवं कैरी फारवर्ड हेतु 1 जुलाई 2024 से किसानों का पंजीयन प्रारंभ किया गया है। सभी किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, समिति प्रबंधक से संपर्क कर नया पंजीयन, फसल, रकबा संशोधन एवं कैरी फारवर्ड शीघ्र पूर्ण करा सकते हैं एवं वारिसान पंजीयन हेतु तहसील कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं, ताकि धान विक्रय करने वाले किसान को कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त हो सके।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदेश के किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने की दृष्टि से कृषक पंजीयन की प्रकिया के सरलीकरण हेतु एकीकृत किसान पोर्टल विकसित किया गया है। एकीकृत किसान पोर्टल के नवीन पंजीयन तथा पंजीकृत फसल और रकबे में संशोधन की कार्यवाही 31 अक्टूबर तक सहकारी समिति के माध्यम से पंजीयन की जाएगी।

एकीकृत किसान पोर्टल में धान एवं मक्का उपार्जन योजना को भी सम्मिलित किया गया है। धान एवं मक्का कृषक को समर्थन मूल्य पर विक्रय करने हेतु एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। विगत खरीफ वर्ष 2023-24 में पंजीकृत किसानों को आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए पंजीकृत माना जाए एवं इसके लिए विगत खरीफ वर्ष 2023-24 में पंजीकृत किसानों की दर्ज भूमि एवं धान के रकबे एवं खसरे को राजस्व विभाग के माध्यम से अद्यतन करा लिया जाए। यह कार्य एकीकृत किसान पंजीयन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली के लिए किसान द्वारा धान विक्रय के समय धान खरीदी केन्द्र में स्वंय उपस्थित होकर या उनके द्वारा नामांकित नामिनी के द्वारा उपस्थित होकर बायोमेट्रिक आधारित खरीद प्रणाली के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया जा सकता है। इसके लिए किसान पंजीयन हेतु एकीकृत कृषक पंजीयन पोर्टल पर किसान का पंजीयन निर्धारित अवधि के दौरान किसान का एवं उसके एक नामिनी का आधार नंबर लिया जाएगा।

नामिनी के रूप में किसान के परिवार के नामित सदस्य में माता-पिता, पति-पत्नी, पुत्र-पुत्री, दामाद-पुत्रवधू, सगा भाई-बहन एवं अन्य करीबी रिश्तेदार को मान्य किया जाएगा। किसान यदि गत वर्ष पंजीकृत नॉमिनी में परिवर्तन करना चाहता है, तो समिति स्तर पर संशोधन की कार्यवाही की जाएगी। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में नवीन पंजीयन कराने वाले किसान से नॉमिनी की जानकारी एकत्र किया जाएगा।

हिस्सेदार, बटाईदार तथा अधिया रेगहा के तहत फसल उगाने वाले कृषकों के लिए खेत का मालिकाना हक रखने वाले कृषक स्वंय पंजीयन करा सकेगा अथवा संबंधित कृषक का नॉमिनी के तौर पर पंजीयन करा सकेगा। प्रत्येक खरीदी केन्द्रों में बायोमेट्रिक व्यवस्था के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन हेतु एक स्थायी खरीदी केन्द्र प्रभारी नामांकित किया जाएग। खरीदी केंद्र प्रभारी का भी आधार नंबर एकत्रित किया जाएगा।

'हमर सुघर गांव' एवं समाधान सूरजपुर एप का शुभारंभ

# हमें अपनी संस्कृति व परंपरा को सहेज कर रखना होगाः साय

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सूरजपुर जिले के ग्राम सिलौटा प्रतापपुर के मिनी स्टेडियम में आयोजित आदिवासी करमा महातिहार कार्यक्रम में प्रतापपुर में नवीन एसडीएम कार्यालय का निर्माण, चंदोरा जजावल सड़क निर्माण, प्रतापपुर में रेस्ट हाउस एवं बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण तथा गर्भवती महिलाओं के लिए चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए फर्स्ट रेफरल यूनिट की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय सूरजपुर जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ गांव बनाने के उद्देश्य से 'हमर सुघर गांव' और सूरजपुर जिले के नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए वॉट्सएप्प बेस्ड चैटबोट प्लेटफार्म समाधान सूरजपुर एप का शुभारंभ किया। उन्होंने जिले के विकास कार्यों पर आधारित विकास पत्रिका' प्रगति पत्रक का विमोचन किया और जिला प्रशासन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु शुरू किए गए चैंपियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह खुशी की बात है कि आदिवासी समाज के लोग अपनी संस्कृति व परंपरा को सहजने के लिए बढ़ चढ़कर आगे आ रहे हैं। उन्होंने लोगों को करमा तिहार की बधाई देते हुए कहा कि यह उत्सव हमारी संस्कृति एवं परंपरा का हिस्सा है इसे हमे आगे भी जारी रखना है। हमें अपनी एकता का परिचय देते हुये इसे निरंतर एकजुट होकर उत्साह पूर्वक मानना है। उन्होंने लोगों से अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में निरंतर लोगों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार निरंतर आदिवासियों के सम्मान के लिए काम कर रही है। अति पिछड़ा वर्ग के आदिवासियों के विकास के लिए पीएम जनमन योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने जनजातीय उत्थान के लिए जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना के बारे में भी लोगों को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर आधारित प्रदर्शनी स्टॉल का अवलोकन किया। कार्यक्रम में राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंर्तगत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शासन के विभिन्न विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को आर्थिक सहायता राशि का चेक, अनुदान राशि एवं सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि करमा महोत्सव सरगुजा की विशिष्ट पहचान है। यह उत्सव यहां की मिट्टी में रचा-बसा है। महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि करमा महोत्सव प्राकृतिक धरोहर का अभिन्न अंग है। विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के स्वागत में अभिनंदन पत्र का वाचन किया। इस अवसर पर विधायक सर्वश्री भूलन सिंह मरावी, रामकुमार टोप्पो, प्रबोध मिंज, राजेश अग्रवाल, सुश्री उद्धेश्वरी पैकरा, भैयालाल रजवाड़े एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित थे।

## पुरखों के दिखाए राह का अनुसरण हमारी जिम्मेदारी- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय लैलूंगा में उरांव समाज द्वारा आयोजित करमा महोत्सव में कहा कि यह उत्सव ग्रामीण और वनांचल क्षेत्र में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। क्षेत्र में कई प्रकार के करमा का आयोजन होता है। हमें हमारे पुरखों द्वारा दिखाए गए राह पर चलना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हमें अपनी संस्कृति को साथ लेकर चलना है, जिससे आने वाली पीढ़ी हमारे सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित हो सके। करमा महोत्सव में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर लैलूंगा में सामाजिक भवन के निर्माण के लिए 49 लाख रूपए, लैलूंगा में स्टेडियम जीर्णोद्धार के लिए 40 लाख रूपए, बास्केटबाल कोर्ट निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की घोषणा की और खम्हार पाकुट बांध से लैलूंगा में जलापूर्ति प्रोजेक्ट के निर्माण काम को शुरू कराए जाने की बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गहिरा गुरु की जन्मस्थली और कर्मस्थली में उरांव समाज द्वारा करमा महोत्सव के आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि उरांव समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है।

# नई दिल्ली में होने वाले 'रोजगार दो नशा नहीं' हल्ला बोल आंदोलन का युवा कांग्रेस ने किया पोस्ट लॉन्च एवं प्रेस वार्ता

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस द्वारा आज प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में प्रेस वार्ता आयोजित की गई इस प्रेस वार्ता को प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा द्वारा संबोधित किया गया।

इसमें आने वाले दिनांक 16 अक्टूबर 24 को नई दिल्ली में होने वाले भारतीय युवा कांग्रेस का नौकरी दो नशा नहीं हल्ला बोल प्रदर्शन नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में पूरे देश भर से आए युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं प्रदर्शन किया जाएगा।।

प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने बताया की आने वाले 16 अक्टूबर को नई दिल्ली में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय वापी प्रदर्शन नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु जी के नेतृत्व में किया जाएगा इसमें हम केंद्र की मोदी सरकार को नींद से जागने का प्रयास करेंगे यह आंदोलन का टैगलाइन नौकरी दो नशा नहीं हल्ला बोल रखा गया है जिस प्रकार 2014 से केंद्र में मोदी सरकार आई है आज 10 वर्षों में सरकार युवाओं को थमने का ही कार्य किया है सिर्फ कागजों पर ही इनकी योजनाएं रही है युवाओं को रोजगार नहीं मिला है स्किल इंडिया और मेक इन इंडिया के नाम पर युवाओं को ठगा गया है जहां लोगों को रोजगार और नौकरी नहीं मिल रही है उल्टे आज देश भर में नशे का व्यापार चरण सीमा पर चल रहा है युवा नशे की ओर लगातार जा रहे हैं और देश के बाहर से आए हुए ड्रग्स जैसी चीज पूरे देश में फैल चुकी है इसको लेकर हम अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ से 1200 की संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता नई दिल्ली में शामिल होंगे अलग-अलग माध्यम से नई दिल्ली पहुंचने का कार्य कार्यकर्ता आज से ही चालू कर दिए हैं और पूरे देश भर से हजारों की संख्या में इस आंदोलन में युवा आएंगे। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, मीडिया प्रभारी तुषार गुहा, प्रदेश सचिव अमिताभ घोष शामिल थे।।

# राज्य में संचालित पर्यटन संबंधी परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार करेगा पूर्ण सहयोगः शेखावत

**रायपुर।** केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में संचालित पर्यटन संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है। आज नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य से सौजन्य मुलाकात के दौरान केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने यह बात कही। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दिशानिर्देश पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री से सौजन्य मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में संचालित की जा रही निःशुल्क रामलला अयोध्या दर्शन योजना सहित राज्य की विभिन्न पर्यटन गतिविधियों और योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बस्तर के शिल्पकारों द्वारा निर्मित वनवासी राम की बेलमेटल की प्रतिमा भी केंद्रीय पर्यटन मंत्री शेखावत को भेंट की। इसके बाद आचार्य ने पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव एम.आर. सिंदरेम से मुलाकात कर पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की योजना स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फ़ॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट - डेवेलपमेंट ऑफ आइकोनिक टूरिस्ट डेस्टिनेशन टू ग्लोबल स्केल के तहत रायपुर में फ़िल्म सिटी, कन्वेंशन सेंटर, वेलनेस रिसॉर्ट,नेचर सिटी की नवीन योजनाओं के लगभग 300 करोड़ के प्रस्ताव सबमिट करते हुए छत्तीसगढ़ में पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से संचालित, स्वदेश दर्शन योजना एवं प्रसाद योजना की प्रगति की जानकारी भी दी।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

## अपराधी कांग्रेस के किसी मोर्चा, प्रकोष्ठ विंग का सदस्य नहीं है

**रायपुर।** सूरजपुर की घटना के अपराधी को कांग्रेस से जोडऩा सरकार की साजिश है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस घटना के अपराधी कुलदीप साहू का कांग्रेस से कोई लेना देना नहीं है वह कांग्रेस के किसी भी विंग, मोर्चा प्रकोष्ठ का किसी भी स्तर का पदाधिकारी, कार्यकर्ता नहीं है। प्रदेश में बढ़ते हुये अपराधों को रोक पाने में नाकाम सरकार अपराधों से ध्यान हटाने इस प्रकार का षडयंत्र कर रही है। भाजपा राज में अपराधी इतने बेलगाम और अराजक हो चुके है कि पुलिस के आरक्षक के घर पर घुसकर उसकी पत्नी की हत्या कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दुर्भाग्यजनक है क्रूर और भयानक घटना को अंजाम देने वाले अपराधी को सबक सिखाने के बजाय सरकार इसमें राजनैतिक पुर खोज रही है। कांग्रेस का मानना है अपराधी के साथ अपराधियों के जैसे कानून सम्मत बर्ताव किया जाना चाहिये, इसमें किसी भी प्रकार की कोताही, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिये। अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा मिले, यह सुनिश्चित करना पुलिस और सरकार का काम है।

## 1 नवंबर से 3217 रुपए की प्रति क्विं. की दर से धान खरीदी की जाए

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 1 नवंबर से किसानों से धान खरीदी की जाये। किसानों से धान प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3217 रु क्विंटल के दर से खरीदी की जाये। किसानों को बेचे गए धान का भुगतान एक मुश्त प्रति एकड़ 67557 रु किया जाये। भाजपा ने 3100 रुपए प्रति क्विंटल के दर पर धान खरीदी का वादा किया था जिसके बाद केंद्र ने धान के समर्थन मूल्य में 117 रु प्रति क्विंटल बढोत्तरी किया है इसका लाभ किसानों को मिलना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान वादा किया था कि किसानों को धान बेचने के लिए गांव में ही भुगतान केंद्र खोला जाएगा, धान बेचने के बाद नगद भुगतान पंचायत भवन में होगा। उस दिशा में अब तक कोई काम नहीं हुआ है किसानों को धान बेचने के लिए गांव से दूर जाना पड़ता है। 2023 में 26 लाख से अधिक किसान धान बेचने पंजीयन कराए थे धान खरीदी केन्द्रो में अव्यवस्था के चलते 2 लाख से अधिक किसान धान बेच नहीं पाए थे इस बार शत प्रतिशत किसान धान बेच सके किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो इसकी जिम्मेदारी सरकार की है।

## भाजपा सरकार में दम तोड़ रही है स्वास्थ्य व्यवस्था

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में दिनों-दिन बदहाल होती स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि 10 महीनो में ही भाजपा की सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है। नई व्यवस्था तो दूर, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा बने बनाए सिस्टम को भी यथावत संचालित करने में यह सरकार असफल रही है। सुदूर ग्रामीण अंचलों की तो छोड़िए, राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मेकाहारा में ही 350 से ज्यादा मशीने बंद है, सिटी स्कैन, एमआरआई ही नहीं 80 वेंटीलेटर भी खराब हो चुके हैं। मेकाहारा के आईसीयू में पल्स/बीपी मॉनिटर बंद पड़े हैं, प्रेशर इंजेक्टर, डिजिटल एक्स-रे तथा कलर डॉपलर भी मेंटेनेंस के अभाव में कबाड़ हो रहे हैं। जांच, इलाज और दवा के अभाव में लोग भी मौत मरने मजबूर हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि आयुष्मान योजना के नाम पर मोदी सरकार का झूठा यशोगान करने वाले भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार में आयुष्मान कार्ड बनाने का काम कई जिलों में पूरी तरह से बंद हो गया है, नया कार्ड बनवाने के लिए लोग भटक रहे हैं। आयुष्मान योजना के तहत नियुक्त किए गए स्वास्थ्य मितानों को पिछले 4 महीना से वेतन नहीं मिला है.

## सूरजपुर की घटना के अपराधी को कांग्रेस से जोड़ना सरकार की साजिश

**रायपुर।** सूरजपुर की घटना के अपराधी को कांग्रेस से जोड़ना सरकार की साजिश है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस घटना के अपराधी कुलदीप साहू का कांग्रेस से कोई लेना देना नहीं है वह कांग्रेस के किसी भी विंग, मोर्चा प्रकोष्ठ का किसी भी स्तर का पदाधिकारी, कार्यकर्ता नहीं है। प्रदेश में बढ़ते हुये अपराधों को रोक पाने में नाकाम सरकार अपराधों से ध्यान हटाने इस प्रकार का षड़यंत्र कर रही है। भाजपा राज में अपराधी इतने बेलगाम और अराजक हो चुके है कि पुलिस के आरक्षक के घर पर घुसकर उसकी पत्नी की हत्या कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दुर्भाग्यजनक है क्रूर और भयानक घटना को अंजाम देने वाले अपराधी को सबक सिखाने के बजाय सरकार इसमें राजनैतिक पुर खोज रही है। कांग्रेस का मानना है अपराधी के साथ अपराधियों के जैसे कानून सम्मत बर्ताव किया जाना चाहिये, इसमें किसी भी प्रकार की कोताही, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिये। अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा मिले, यह सुनिश्चित करना पुलिस और सरकार का काम है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अपराधी का कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है। उसका न्याय यात्रा का फर्जी पास सरकार के इशारे पर प्रचारित किया जा रहा है।

## पावर लिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में मोनू को मिला सिल्वर मेडल

**रायपुर।** आस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में 11 से 13 अक्टूबर तक आयोजित वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के के मोनू गोस्वामी ने 587.5 किलो वजन उठाकर सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार ने बताया कि मोनू गोस्वामी छग के गौरेला पेंड्रा मरवाही जैसे छोटे जिले के निवासी है और संसाधन की कमी की वजह से उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। अब मोनू गोस्वामी जीत कर आया है तो खेल विभाग इनके जिले में पावर लिफ्टिंग सेट प्रदान कर संसाधन की कमी से मुक्ति दिलाने मदद करेंगे। इस अवसर पर वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग इंडिया एसोसिएशन ऑफ छग के पदाधिकारी और वरिष्ठ पावर लिफ्टर रामनगिना सिंह सुषमा सिंह राजमणि ठाकुर दुर्गेश साहू लखपति सिंदूर प्रदीप क्षत्रिय राजेश साहू पोषण बांधे अमित रामटेके राहुल सारथी माताशरण साहू श्याम ठाकुर किशोर कुमार आदि ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिए।

# हर वर्ष जलाने के बाद भी रावण मरा नहीं है हमारे अन्दर ज़िंदा है - भगवान भाई

**रायपुर।** हम सभी हर साल दशहरा में रावण का बुत बनाकर उसे जलाते है। इसका मतलब है कि वह मरता नहीं है। बल्कि रावण का पुतला हर साल बड़ा होता जा रहा है। दशहरा में रावण का पुतला तो जल जाता है लेकिन असली रावण हमारे अन्दर जिन्दा है। वास्तव में मनोविकार ही वह रावण है जो कि प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, नफरत, घृणा, द्वेष, वैर आदि रावण के दस सिर हैं। जब तक इन दसों मनोविकारो पर जीत नहीं पायेंगे तब तक असली विजयादशमी नहीं मना सकेंगे। यह विचार माउण्ट आबू से पधारे ब्रह्माकुमार भगवान भाई ने व्यक्त किया। वह प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शांति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा संस्कार परिवर्तन विषय पर बोल रहे थे। वह भारत और नेपाल के 11000 (ग्यारह हजार) से अधिक स्कूलों और 900 (नौ सौ)से अधिक कारागारों (जेलों) में नैतिक मूल्यों की शिक्षा दे चुके हैं जिसके फलस्वरूप उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स में दर्ज है। उन्होंने कहा कि सभी विकारों का मुखिया है देहभान जब तक हम स्वयं को आत्मा निश्चय कर परमात्मा से योग नहीं लगाते तब तक इन मनोविकारों पर जीत पाना संभव नही है। वर्तमान समय परमपिता परमात्मा सहज राजयोग और अध्यात्मिक ज्ञान द्वारा इन मनोविकारों पर जीत पाने की शिक्षा ब्रह्माकुमारी बहनों के माध्यम से दे रहे है। अपनी कमज़ोरियों पर जीत हासिल करना ही मानव मन में बसे रावण की नकारात्मक प्रवृत्तियों को खत्म करने का एकमात्र तरीका है। उन्होंने बतलाया कि जब हम काम, क्रोध व मोह को खत्म कर पाएंगे, तब ही दशानन का खात्मा होगा। इन बुराइयों पर विजय हासिल करके ही असली दशहरा मना सकेंगे। उन्होंने बतलाया कि आज मनुष्य काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, आलस्य, भय, लापरवाही, घृणा और ईर्ष्या जैसी बुराइयों का गुलाम हो गया है। ये सभी दसों बुराइयां रिश्तों में कलह और दुनिया में हिंसा का कारण बन रही हैं। उन्होंने बतलाया कि रावण आज हर एक मानव के अंदर विराजित है। जब हम अपने अंदर के रामत्व अर्थात अच्छाइयों को जागृत करेंगे तो ही हम उन मनोविकारों पर विजय प्राप्त कर पाएंगे?

# मुख्यमंत्री के विशेष निर्देश पर सिम्स बिलासपुर में पीजी के दो नए कोर्स को शासन ने दी मंजूरी

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं मे विस्तार और युवाओं के लिए राज्य में ही मेडिकल शिक्षा को लेकर काफी संवेदनशील हैं। मुख्यमंत्री की पहल पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सिम्स बिलासपुर में छः पीजी पाठ्यक्रमों के लिए सीटों में बढोत्तरी की मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके साथ ही सिम्स बिलासपुर में दो नए पीजी पाठ्यक्रमों को शुरू करने की भी मंजूरी राज्य शासन ने दी है।

राज्य शासन के द्वारा पीजी के अतिरिक्त सीटों और नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी दिए जाने पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि सीटों में वृद्धि से राज्य में एमबीबीएस कर रहे मेडिकल के छात्रों को लाभ मिलेगा। राज्य में ही पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश की संभावना बढ़ने से छात्रों को राज्य में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलेगा। राज्य शासन की तरफ से सिम्स बिलासपुर में एमडी रेडियो डायग्नोस्टिक्स और एमडी रेस्पिरेटरी मेडिसीन के 2 नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने की मंजूरी दी गयी है। इसके अलावा एमडी पीडियाट्रिक्स में दो सीटों की वृद्धि, एमएस आब्स्टेट्रिक्स व गाइनेकोलाजी में 4 सीटों की वृद्धि, एमडी एनेस्थीसियोलाजी में 5 सीटों की वृद्धि, एमएस ओटोरिनोलेरिंगोलाजी में 2 सीटों की वृद्धि तथा एमडी कम्यूनिटी मेडिसीन में 4 सीटों की वृद्धि के लिए मंजूरी प्रदान की गयी है। राज्य शासन द्वारा इस आशय का इशेंसियेलिटी सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया गया है। इससे न सिर्फ मेडिकल में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी बल्कि राज्य को अतिरिक्त विशेषज्ञ चिकित्सक भी मिलेंगे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.